

# प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से हमने क्या सुना [HINDI]



ROYAL COMMISSION OF INQUIRY  
INTO THE TERRORIST ATTACK  
ON CHRISTCHURCH MOSQUES  
ON 15 MARCH 2019

TE KŌMIHANA UIUI A TE WHAKAEKE  
KAIWHAKATUMA I NGĀ WHARE  
KŌRANA O ŌTAUTAHĪ I TE  
15 O POUTŪ-TE-RANGI 2019

26 नवंबर 2020

प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से हमने क्या सुना

26 नवंबर 2020 को प्रकाशित

ISBN 978-0-473-54879-7 (PDF)

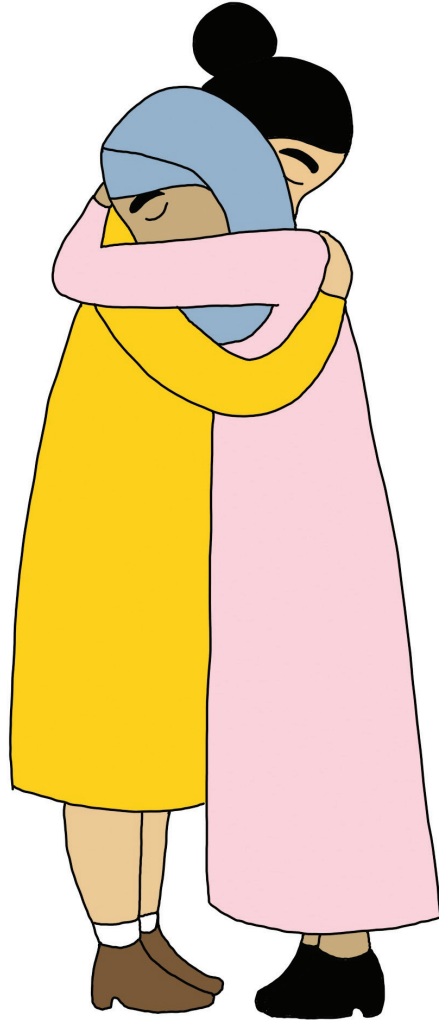
ISBN 978-0-473-55300-5 (पुस्तिका)

© Copyright 2020

यह दस्तावेज़ यहां ऑनलाइन उपलब्ध है::

[www.christchurchattack.royalcommission.nz](http://www.christchurchattack.royalcommission.nz)

ECF और FSC प्रमाणित कागज का उपयोग करके मुद्रित  
जो एसिड मुक्त और बायोडिग्रेडेबल भी है



यह आपका घर है  
और आपको यहां  
सुरक्षित होना चाहिए था

यह चित्रण और पाठ कलाकार रूबी जोन्स द्वारा उपहार में दिया गया था।  
रॉयल कमीशन रूबी की प्रतिभा और उदारता की गहराई से सराहना करता है।



### अस्सलाम अलैकुम तथा *Tēnā koutou*.

हम 51 शुहादा, और आतंकवादी हमले में बचे हुए लोगों और गवाहों और उनके करीबियों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करके शुरू करना चाहते हैं। हमारी पूछताछ के दौरान आप हमारी सोच के केंद्र में रहे हैं। हम शुरू से ही इसका महत्व जानते थे, लेकिन हमारी समझ और प्रशंसा इस बात का सही मायने में विकास करती है क्योंकि हमने आपकी कहानियों, अनुभवों और सबूतों को अधिक सुना है। आपने हमें आतंकवादी हमले और इसके चल रहे प्रभावों की कठोर वास्तविकता की समझ दी। आपके द्वारा साझा किए गए अनुभवों ने हमने कोई कसर नहीं छोड़ी हैं यह सुनिश्चित करने हेतु हमें जवाब मांगने के लिए एक और प्रेरणा दी है, और आपको न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली उद्देश्य के लिए फिट है यह आश्वासन प्रदान करते हैं। अपनी कहानियों को साझा करने के लिए हमसे मिलने और अपने दिल और घरों को खोलने के लिए हम आपका हार्दिक धन्यवाद करते हैं।

आतंकवादी हमले से सबसे अधिक प्रभावित लोगों की कहानियों ने हमारी जांच की रेखाओं को सूचित किया और इस तरह के भयानक हमले से उबरने की वास्तविकता में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसने हमें गंभीर तौर पर दुःख महसूस कराया है, और हमें विश्वास है कि इसने हमारी रिपोर्ट को और प्रभावशाली बनाया है।

हम उन लोगों को भी स्वीकारते हैं जिन्होंने, किसी भी कारण से, हमारे साथ अपने अनुभवों को साझा नहीं किया था या साझा करने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि या तो उन्हें लगा कि समय या परिस्थितियां उनके लिए सही नहीं थीं, या तो कोई अन्य कारण थे। हम जानते हैं कि एक औपचारिक, समयबद्ध प्रक्रिया में उलझने से उन सभी लोगों की जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता है जो हमसे बात करना चाहते थे। हम मानते हैं कि यहां बताई गई कहानियां, अनुभव और साक्ष्य 51 शुहादा के सभी व्हाट्सएप का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, और आतंकवादी हमले से बचे हुए और गवाह हैं। हम पाठकों को इन पृष्ठों को खोलने के लिए आमंत्रित करते हैं और उन अंतर्दृष्टियों को दर्शाते हैं जिन्हें हमने आतंकवादी हमले से सबसे अधिक प्रभावित कुछ लोगों से प्राप्त करने का विशेषाधिकार प्राप्त किया है।

माननीय सर विलियम यंग KNZM  
अध्यक्ष

जैकी कैने  
सदस्य

|           |                                                                                                              |    |
|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| शब्दकोष   | इस प्रकाशन में आमतौर पर उपयोग किए गए शब्द                                                                    | 4  |
| अध्याय 1: | प्रसंग                                                                                                       | 5  |
|           | 15 मार्च 2019 को क्राइस्टचर्च मस्जिदों पर आतंकवादी हमले में रॉयल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी जांच की सीमाएं         | 5  |
|           | पूछताछ का समय                                                                                                | 6  |
|           | इस दस्तावेज़ और हमारी प्रक्रिया का उद्देश्य                                                                  | 7  |
|           | प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से हमने क्या सुना                                                  | 9  |
| अध्याय 2  | आतंकवादी हमले का सीधा असर                                                                                    | 11 |
|           | आतंकवादी हमले का सीधा असर                                                                                    | 11 |
|           | द्वितीयक प्रभाव                                                                                              | 13 |
|           | न्यूजीलैंड के व्यापक समुदायों से सहायता                                                                      | 14 |
|           | सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से सही सहायता प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है                                     | 14 |
| अध्याय 3  | मुसलमान के रूप में न्यूजीलैंड में जीवन                                                                       | 23 |
|           | न्यूजीलैंड को आमतौर पर सकारात्मक रूप से देखा जाता है, लेकिन व्यापक नस्लवाद, भेदभाव और इस्लामोफोबिया मौजूद है | 23 |
|           | पूर्वाग्रह का प्रभाव (अचेतन या अन्यथा), विशेष रूप से मीडिया में                                              | 25 |
| अध्याय 4  | व्यक्तिगत और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने आतंकवादी के बारे में क्या सवाल उठाए                           | 29 |
| अध्याय 5  | प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा प्रस्तावित समाधान                                           | 31 |
|           | मस्जिद पर बड़ी हुई सुरक्षा                                                                                   | 31 |
|           | मानव अधिकारों, विविधता को अपनाना और                                                                          |    |
|           | हानिकारक अतिवाद के प्रभावों को कम करना                                                                       | 32 |
|           | न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में सुधार                                                            | 34 |
| अध्याय 6  | प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा उठाए गए अन्य मामले                                          | 37 |
|           | आतंकवादी हमले पर न्यूजीलैंड पुलिस की प्रतिक्रिया                                                             | 37 |
|           | आपराधिक न्याय प्रणाली के साथ व्यक्ति की बातचीत                                                               | 38 |
| परिशिष्ट  | इस दस्तावेज़ को तैयार करने की प्रक्रिया                                                                      | 39 |

| अवधि                            | परिभाषा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|---------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हिजाब                           | कुछ मुस्लिम महिलाओं द्वारा सिर को ढंकता हुआ सार्वजनिक रूप से पहना जाने वाला कपड़ा।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां     | सरकारी संचार सुरक्षा ब्यूरो और न्यूजीलैंड सुरक्षा खुफिया सेवा। यह खुफिया और सुरक्षा अधिनियम 2017 के तहत एक वैधानिक शब्द है।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| मसजिद                           | दो से अधिक मस्जिद के लिए एक अरबी शब्द।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| मस्जिद                          | एक मस्जिद के लिए अरबी शब्द, मुस्लिम पूजा स्थल।<br>अरबी भाषा में, मस्जिद का शाब्दिक अर्थ होता है “साष्टांग प्रणाम का स्थान (प्रार्थना में)”।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| मस्जिद एन-नूर                   | अल नूर मस्जिद के लिए एक अरबी शब्द।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| मसजिदन                          | दो मस्जिद के लिए एक अरबी शब्द।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| शुहादा                          | बहुवचन “शहीद” के लिए एक अरबी शब्द। 15 मार्च 2019 को आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप शहीद होने वाले लोगों को संदर्भित करने के लिए इस दस्तावेज़ में शुहादा शब्द का उपयोग किया गया है।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| व्यापक न्यूजीलैंड खुफिया समुदाय | सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों का समूह जो गुप्त खुफिया संग्रह, मूल्यांकन या अन्यथा उपयोग करता है, और वे एजेंसियां जो बाहरी या घरेलू नीति और संचालन के लिए वर्गीकृत खुफिया जानकारी एकत्र करता हैं और/या उपयोग करता हैं।<br>न्यूजीलैंड खुफिया समुदाय (प्रधान मंत्री और मंत्रिमंडल के राष्ट्रीय सुरक्षा समूह, सरकारी संचार सुरक्षा ब्यूरो और न्यूजीलैंड सुरक्षा खुफिया सेवा) और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों जैसे सुधार विभाग, आब्रजन न्यूजीलैंड, प्राथमिक उद्योग मंत्रालय, न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा, न्यूजीलैंड रक्षा बल और न्यूजीलैंड पुलिस में एजेंसियां शामिल हैं। |
| व्हानू (करीबी)                  | परिवार के लिए ते रे माओरी (माओरी भाषा) शब्द।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |

## अध्याय 1: प्रसंग

- 1 15 मार्च 2019 को, मस्जिद एन-नूर और क्राइस्टचर्च में लिनवुड इस्लामिक सेंटर पर एक दक्षिणपंथी आतंकवादी द्वारा जब उपासक प्रार्थना कर रहे थे, तब हमला किया गया। इकावन लोगों की मौत हो गई थी और अन्य 40 लोगों को बंदूक की चोटों का सामना करना पड़ा था।
- 2 सरकार की आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया में दो महत्वपूर्ण घोषणाएं शामिल थीं:
  - a) 21 मार्च 2019 को एक घोषणा की गई कि सैन्य शैली के अर्ध-स्वचालित और असॉल्ट राइफलों को उच्च क्षमता वाली पत्रिकाओं के साथ तुरंत प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। बाय-बैक योजना लागू की जाएगी।
  - b) 25 मार्च 2019 को एक घोषणा की गई कि आतंकवादी हमले की घटनाओं की जांच के लिए एक रॉयल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी की स्थापना की जाएगी।
- 3 26 मार्च 2020 को, एक ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति को हत्या के 51 मामलों, हत्या के प्रयास के 40 मामलों और आतंकवादी हमले से संबंधित एक आतंकवाद के आरोप का दोषी पाया। 27 अगस्त 2020 को उसे बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 1 सितंबर 2020 को, न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री ने इस व्यक्ति को आतंकवादी दमन अधिनियम 2002 की धारा 22 के तहत आतंकवादी इकाई के रूप में नामित किया। न्यूजीलैंड के कानून के तहत एक पदनाम आतंकवादी संस्थाओं की संपत्ति को जमा देता है और किसी अन्य के लिए नामित आतंकवादी इकाई की गतिविधियों में भाग लेना या समर्थन करना एक दण्डनीय अपराध है। हमने इस दस्तावेज़ में आतंकवादी का नाम नहीं चुना है और इसके बजाय आम तौर पर उसे "व्यक्ति" बताया है।

### 15 मार्च 2019 को क्राइस्टचर्च मस्जिदों पर आतंकवादी हमले में रॉयल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी

- 4 15 मार्च 2019 को क्राइस्टचर्च मस्जिदों पर आतंकवादी हमले में रॉयल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी (रॉयल कमीशन) की स्थापना 15 मार्च 2019 से पहले व्यक्ति की गतिविधियों की जाँच करने और यह जानने के लिए की गई थी:
  - a) 15 मार्च 2019 से पहले सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को क्या पता था;
  - b) सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने उस ज्ञान के साथ क्या किया (अगर कुछ भी किया हो);
  - c) क्या आतंकवादी हमले को रोकने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां कुछ और कर सकती थीं; तथा
  - d) भविष्य में इस तरह के आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को और क्या करना चाहिए।
- 5 रॉयल कमीशन को इन पर निष्कर्ष निकालना चाहिए:
  - a) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के पास ऐसी सूचना थी जो उन्हें आतंकवादी हमले के लिए सतर्क कर सकती थी;
  - b) कैसे सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने एक दूसरे के साथ काम किया और जानकारी साझा की;
  - c) क्या आतंकवाद-रोधी संसाधनों के अनुचित फोकस के कारण सार्वजनिक एजेंसियां हमले का अनुमान लगाने में विफल रहीं;
  - d) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां आवश्यक मानकों को पूरा करने में विफल रहीं या किसी तरह गलत थीं; तथा
  - e) संपूर्ण रिपोर्ट प्रदान करने के लिए आवश्यक कोई अन्य मामले।

- 6 रॉयल कमीशन को इन पर सिफारिशें बनानी चाहिए:
- a) सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा जानकारी एकत्र करने, साझा करने और विश्लेषण करने के तरीके में क्या सुधार किए जाने चाहिए;
  - b) भविष्य के आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी प्रणाली या परिचालन प्रथाओं में सुधार कैसे किया जा सकता है; तथा
  - c) पूरी रिपोर्ट प्रदान करने के लिए कोई अन्य मामले।
- 7 इन सिफारिशों में कानून में बदलाव (फायरआर्म कानून को छोड़कर), नीति, नियम, मानक या व्यवहार शामिल हो सकते हैं।

### जांच की सीमाएं

- 8 शाही आयोग को इनमें पूछताछ करने की अनुमति नहीं है:
- a) किसी भी व्यक्ति के अपराध या निर्दोषता, जिसे आतंकवादी हमले के संबंध में अपराधों के साथ आरोपित किया गया हो या हो सकता है;
  - b) फायरआर्म के कानून में संशोधन;
  - c) सार्वजनिक क्षेत्रों के बाहर संगठनों की गतिविधियां, जैसे कि मीडिया प्लेटफॉर्म; तथा
  - d) सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने आतंकवादी हमले शुरू हो जाने पर उसका जवाब कैसे दिया था।

### पूछताछ का समय

- 9 रॉयल कमीशन 10 अप्रैल 2019 को शुरू हुआ और 13 मई 2019 को सबूत मिलने शुरू हुए। हमारी जांच में समुदायों, अनुसंधान और साक्ष्य एकत्र करने, गोपनीय साक्षात्कार, विश्लेषण और विचार-विमर्श आयोजित करने और विकास और प्रस्तुति की रिपोर्ट करने के लिए स्थापना से लेकर कई अतिव्यापी चरण थे।
- 10 दो अवसरों पर मूल रिपोर्टिंग दिनांक 10 नवंबर 2019 को बाद में 26 नवंबर 2020 की अंतिम रिपोर्टिंग दिनांक तक बढ़ा दिया गया था। विस्तारण इस वजह से आवश्यक थे:
- a) सामग्री की सरासर मात्रा जिसका हमें आकलन करना था; तथा
  - b) कोविड-19 महामारी से उत्पन्न व्यवधान।
- 11 हमने अपनी रिपोर्ट गवर्नर-जनरल, डेम पट्टी रेड्डी को प्रस्तुत की। गवर्नर-जनरल ने उनके विचार के लिए सरकार को रिपोर्ट सौंप दी।

## इस दस्तावेज़ और हमारी प्रक्रिया का उद्देश्य

- 12 रॉयल कमीशन की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा 51 शुहादा (वे लोग जिनकी आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप मृत्यु हो गई), और आतंकवादी हमले में बचे हुए लोगों और गवाहों और उनके करीबियों के साथ जुड़ना था। वे हमारी पूछताछ और हमारी सोच के केंद्र में रहे हैं। 15 मार्च 2019 की त्रासदी, जिससे भारी दुःख, चोट और हानि हुई थी, के कारण इस रॉयल कमीशन ऑफ़ इन्क्वायरी की स्थापना की गई थी।
- 13 लोगों के इस समूह को सामूहिक रूप से पीड़ितों के रूप में संदर्भित किया जा सकता है, जो कि उनके द्वारा अनुभव की गई हानि को सत्यापित करता है। हालांकि, अन्य लोग पीड़ित शब्द को नापसंद करते हैं। उत्तरजीवी के बारे में भी मिश्रित विचार हैं। प्रभावित लोगों में से कुछ को लेबल प्राप्त करना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते हैं। इस दस्तावेज़ के लिए, हम 51 शुहादा के करीबियों, और आतंकवादी हमले के उत्तरजीवियों और उनके करीबियों का उल्लेख करने के लिए “प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों” के विवरण का उपयोग करते हैं।
- 14 इस दस्तावेज़ का प्राथमिक फोकस जो हमने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से सुना था उस बारे में बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड करने का है। हमने जो भी सुना, उसके महत्व को देखते हुए, हमने आतंकवादी हमले से प्रभावित लोगों की कहानियों, अनुभवों और सबूतों को स्वीकार करना महत्वपूर्ण समझा।
- 15 अगर वे मिलना चाहते थे तो प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ मीटिंग को प्राथमिकता देना चाहते थे। हम शुहादा के पत्नियों, पतियों, माताओं, पिता, भाइयों, बहनों, बेटों, बेटियों, चाची, चाचा और चचेरे भाइयों से मिले। इसी तरह, हम उन लोगों से मिले जो घायल (शारीरिक और/या मानसिक रूप से), उत्तरजीवी और आतंकवादी हमले के गवाह और उनके करीबियों थे।
- 16 जब हमने अपनी प्रक्रिया शुरू की तो हमारे पास प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवी और गवाहों की सूची नहीं थी। प्रासंगिक सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां और सामुदायिक संगठन गोपनीयता के कारणों के लिए हमारे साथ उनके पास उपस्थित नाम या संपर्क जानकारी साझा करने में असमर्थ थे। यथासंभव करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों तक पहुंचने की कोशिश करने के लिए, हमने हमले से सबसे अधिक प्रभावित लोगों को खुले तौर पर आमंत्रित किया ताकि वे अपनी शर्तों पर हमसे मिल सकें।
- 17 हमने स्थानीय इमामों को लोगों को यह बताने के लिए कहा कि यदि वे चुनते हैं तो वे हमसे मिल सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे आमंत्रण ने इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया, हमने अन्य समूहों/संगठनों का भी संपर्क किया, ताकि हमसे मिलने के अवसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करें, जिसमें क्राइस्टचर्च मुस्लिम लिआसन समूह, हमारे मुस्लिम समुदाय संदर्भ समूह के सदस्य, पीड़ित समर्थन और सामाजिक विकास मंत्रालय शामिल हैं। हमने अपनी वेबसाइट पर, मीडिया रिलीज़ में, मीटिंग के दौरान लोगों को, फोन पर 0800-लाइन को कॉल करने वालों के लिए इस आमंत्रण को प्रसारित किया और हमारे आमंत्रण की प्रतियां मस्जिद में नोटिसबोर्ड पर लगाने के लिए प्रदान कीं।
- 18 हमें समुदाय-आधारित वकील JustCommunity, और समुदाय-आधारित सलाहकार सेवा द्वारा नेविगेट करने के लिए आपका समर्थन किया गया था, जिन्होंने हमें प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवी और दोनों छोटे और बड़े समूह सेटिंग्स में गवाहों से मिलने में मदद की। इन संगठनों के समर्थन ने हमें कुछ लोगों से सुनने का अवसर प्रदान किया जो हम अन्यथा नहीं कर पाते। हम उनके समर्थन और सहायता के लिए आभारी हैं।

- 19 हम कई बार लोगों से उनकी शर्तों पर और जहां भी संभव हुआ, वे स्थान जो उनके लिए सबसे उपयुक्त थे वहां पर मिले। कुछ लोगों ने हमें अपने घरों में आमंत्रित किया, अन्य एक सामुदायिक केंद्र, स्थानीय कैफे, या होटल या पुस्तकालय के मीटिंग के कमरे में अधिक आरामदायक मीटिंग थी। सभी मीटिंगें निजी तौर पर आयोजित की गईं और हमने सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं के प्रति विशेष सम्मान देने और कई लोगों को हुए आघात से सावधान रहने का ध्यान रखा।
- 20 हम मिले थे वे प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों 22 से अधिक विभिन्न देशों से आए थे और वे 50 से अधिक विभिन्न भाषाओं में बात करते हैं। इस तक पहुंचने में इन सभी को ध्यान में रखा जाना था।
- 21 कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवी और गवाह तैयार और तुरंत मिलने के लिए राजी थे। दूसरों को अधिक समय की आवश्यकता थी। हम प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों का सम्मान करना चाहते थे। हम ईदगाह शोक की अवधि, रमजान, ईद अल-फितर, दुल हज्जाह, ईद अल-अधा, हज यात्रा और मुहर्रम सहित मुस्लिम घटनाओं और प्रथाओं का उचित निरीक्षण करना चाहते थे।
- 22 हम सीख रहे थे क्योंकि हम इस प्रक्रिया से गुजरे थे और हमेशा चीजें सही नहीं हुईं। हमने तब प्रतिक्रिया प्राप्त करने की सराहना की जब चीजें अच्छी तरह से काम नहीं करती थीं, जैसे कि दुभाषिया प्रदान नहीं करना जबकि यह किसी को हमारे साथ और अधिक आसानी से जुड़ने में सक्षम बनाता था, या जिस तरह से एक कमरे की स्थापना की गई थी, वह शक्ति का असंतुलन दर्शाता था। इस तरह की प्रतिक्रिया ने हमें अपने दृष्टिकोण को अनुकूलित करने में मदद की ताकि लोग हमारे साथ सहज महसूस कर सकें, और यह कि वे एक सुरक्षित स्थान पर थे जिसमें उनकी बातें सुनी जाएगी। हम आशा करते हैं कि एक उचित और सुरक्षित तरीके से जुड़ने का हमारा इरादा स्पष्ट था, तब भी जब हम इसे सही नहीं कर पाए।
- 23 15 मार्च 2019 के आतंकवादी हमले से सबसे अधिक प्रभावित लोगों के साथ मिलकर हम बहुत सी चीजें हासिल करना चाहते थे। हम चाहते थे कि लोगों को अपनी कहानियों, अपने साक्ष्य को अपने शब्दों में साझा करने का अवसर मिले। हम आतंकवादी हमले और/या विचारों के नेतृत्व में हुई किसी भी चीज़ पर उनके विचार को सुनना चाहते थे, उन्हें इस बात की जांच का समर्थन करना था कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां इस तरह के हमले को दोबारा होने से कैसे रोक सकती हैं।
- 24 हमारा समग्र दृष्टिकोण यह था कि हम सुनने के लिए वहां थे। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने मीटिंग का नेतृत्व किया। लोगों ने अपने प्रियजनों के बारे में या आतंकवादी हमले के अपने अनुभवों के बारे में कहानियां साझा कीं। उन्होंने रॉयल कमीशन के बारे में पूछा कि वह क्या था, वह कैसे काम करता है, और परिवर्तन करने में उसके पास कौनसे अधिकार हैं। जिन लोगों के साथ हम मिले, वे अन्य देशों के अधिकारियों के साथ उनके अनुभवों से, न्यूजीलैंड की पुलिस, सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों की आलोचना करने से सावधान थे, और चिंता थी कि कोई भी आलोचना उनके लिए नकारात्मक परिणाम ला सकती है। कुछ लोगों ने महसूस किया कि उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है, इसलिए मदद के लिए हमारी ओर रुख कर रहे थे, उदाहरण के लिए काम ढूँढने में या करीबियों सदस्यों हेतु सहायता मांगने के लिए जो उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए न्यूजीलैंड आए हैं। इस तरह की चुनौतियों से जूझ रहे लोगों का समर्थन करना हमारे जनादेश के बाहर था, लेकिन जहां संभव हो और उपयुक्त हो, हमने लोगों को संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों या संगठनों को संदर्भित किया जो ऐसे मामलों में उनकी सहायता करने में सक्षम हो सकते हैं।
- 25 इन मीटिंग में हमने जो कुछ सुना वह हमारे संदर्भ की शर्तों के दायरे से बाहर था। हालांकि, हमारे संदर्भ की शर्तों में भी हमें न्यूजीलैंड की जनता के लिए आश्वासन प्रदान करने की आवश्यकता है। इसलिए हम सोचते हैं कि उन मुद्दों के व्यापक विस्तार को रिकॉर्ड करना महत्वपूर्ण है जो प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवी और गवाह थे जिनसे हम मिले थे। यह दस्तावेज प्रभावितों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा प्रस्तावित संभावित समाधानों के साथ-साथ कई अनुभवों और मुद्दों का सारांश प्रस्तुत करता है।

- 26 प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ हमारी मीटिंग निजी तौर पर आयोजित की गई। इसका मतलब है कि हम जिनसे मिले उन लोगों और रॉयल कमीशन के बीच जो चर्चा हुई, वह गोपनीय थी। हमने इन प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को जो समर्थन दिया उसके लिए धन्यवाद, प्रशंसा और समर्थन प्राप्त किया। लेकिन हमने उनके गहरे दुःख, आघात और संकट को भी महसूस किया। हमने इन कहानियों और अनुभवों को यहां प्रस्तुत किया है, जो उन्हें इस सम्मान के उद्देश्य से देते हैं कि वे इसके हकदार हैं। हमने सामान्य तरीके से ऐसा किया है, अधिक बार विशिष्ट व्यक्तियों को उद्धृत किए बिना नहीं। लोगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए, सभी उद्धरणों को अज्ञात कर दिया गया है। जहां उद्धरण हैं, वे आम तौर पर एक ऐसे सबमिशन से आए हैं जो प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के एक बड़े समूह की ओर से हमारे लिए बनाए गए थे, और अनुभवों और विचारों की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, हम पहचानते हैं कि उनके उद्धरण सभी प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते हैं।
- 27 हम प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के खुलेपन और इच्छा को स्वीकारते हैं, विशेष रूप से ऐसे दुःख की अवधि के दौरान हमसे बात करने के लिए। इन वार्तालापों और प्रस्तुतियों ने हमारी प्रक्रिया को काफी हद तक सुनिश्चित कर दिया है ताकि हम अपने काम के केंद्र में 51 शूहादा को बनाए रखें, और इस तरह से हमारी रिपोर्ट अधिक समृद्ध हो।
- 28 हमने 15 मार्च 2019 को मस्जिद-नूर और लिनवुड इस्लामिक सेंटर में आतंकवादी हमले पर रॉयल कमीशन की रिपोर्ट तैयार करने के लिए मीटिंग, साक्षात्कार और अनुसंधान की जानकारी के साथ इस सामग्री को तैयार किया है।

### प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से हमने क्या सुना

- 29 हमने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के लिए प्रश्न निर्धारित नहीं किए हैं, बल्कि हमने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को अपने स्वयं के शब्दों और अपने समय में कहानियों और सबूतों को साझा करने का अवसर प्रदान किया है। हमने जरूरत पड़ने पर चर्चा को शीघ्र करने के लिए कहा। प्रश्न प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति के अनुरूप थे और इसमें प्रश्न शामिल थे:
- आतंकवादी हमले का असर खुद पर, करीबी और दोस्तों पर;
  - आतंकवादी हमले से पहले न्यूजीलैंड में उनके जीवन, जिसमें शामिल है:
    - i) न्यूजीलैंड में रहने का उनका समय अनुभव क्या रहा है; तथा
    - ii) क्या उन्हें कभी भी 15 मार्च 2019 से पहले असुरक्षित महसूस हुआ, और क्या उन्होंने मदद मांगी या चिंता जताई;
  - सरकार अतीत में उन्हें सुरक्षित महसूस करने में मदद करने के लिए, और अन्य लोगों को अधिक स्वीकार करने में मदद करने के लिए क्या कर सकती थी; तथा
  - भविष्य में न्यूजीलैंड को सभी के लिए सुरक्षित बनाने और भविष्य के आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए सरकार क्या कर सकती है (या बेहतर कर सकती है)।



## अध्याय 2: आतंकी हमले का असर

### आतंकवादी हमले का सीधा असर

- 1 प्रभावित करीबी, उत्तरजीवी और गवाह जिन्होंने प्रियजनों को खो दिया था, उन्होंने हमें बताया कि आतंकवादी हमले ने उन्हें कैसे प्रभावित किया था। बच निकलने की कोशिशों सहित आतंकवादी हमले के परिणामस्वरूप जिन उत्तरजीवियों को शारीरिक चोटें आईं, उन्होंने हमें उनके ठीक होने की अक्सर धीमी प्रगति के बारे में बताया। कुछ को गंभीर चोटें आईं, दोनों मानसिक और शारीरिक, जिससे आजीवन प्रभाव पड़ेगा।
- 2 हमने ऐसे लोगों से सुना जो अपनी शारीरिक रिकवरी के हिस्से के रूप में कई सर्जरी करवा चुके थे, लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं हुए थे। कुछ उत्तरजीवी कभी भी अंगों का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाएंगे। लोग अपने शरीर में रहने वाले बुलेट टुकड़ों से हो रहे दर्द और सुन्नता के साथ रह रहे हैं। कुछ उत्तरजीवियों को अपने घरों में पूर्णकालिक देखभाल और उद्देश्य से निर्मित सुविधाओं की आवश्यकता होती है ताकि उन्हें अपनी चोटों के साथ जीने में मदद मिल सके।

उस दिन, छर्रे से मेरे दाएं ऊपरी पैर में मेरे जिगर तक पहुंचने वाली गोली मार दी गई, जिससे और नुकसान हुआ और यह अभी भी मेरे अंदर है। मैं हाल ही में अपने पेट में दर्द का सामना कर रहा था. .. सर्जनों ने मुझे बताया कि छर्रे मेरे प्रारंभिक स्थान से मांसपेशियों में चले गए हैं। उन्होंने मुझे बताया कि अगर यह पेट की ओर चला गया, तो उन्हें [इसे] बाहर निकालने पर विचार करना होगा, लेकिन इस स्तर इसका [मेरे] अंदर होना सुरक्षित है।
- 3 अधिकांश उत्तरजीवी तुरंत काम पर नहीं लौट सके, और कुछ को चोटों के कारण पेशा बदलना पड़ा। जबकि कई उत्तरजीवियों ने बताया कि उनके नियोक्ता सहायक थे, उन्हें ठीक होने के लिए पर्याप्त समय दिया, कुछ लोगों ने अपनी नौकरी खो दी क्योंकि वे अब अपने कार्यों को नहीं कर सकते थे। कुछ उत्तरजीवियों ने अपने व्यवसाय खो दिए।
- 4 हमने आतंकी हमले के तुरंत बाद के दिनों और दिनों में होने वाले प्रभावों के बारे में प्रभावित करीबी से सुना। हमें उन चुनौतियों के बारे में बताया गया जिन्हें लोगों को अपने प्रियजनों को ट्रैक करने में सक्षम होने के लिए सामना करना पड़ा।

मेरे माता-पिता के एक परिचित ने कहा कि उन्होंने [[मेरे भाई] को ऑपरेटिंग थियेटर में देखा था। ...मम्मी और पापा इस खबर के साथ अस्पताल पहुंचे और चार घंटे तक अल-नूर मस्जिद के बाहर इंतजार करने के बाद, वे फिर क्राइस्टचर्च अस्पताल में एक और छह घंटे इंतजार करने के लिए वहां गए। इसके बाद, उन्हें पता चला कि जिस व्यक्ति के लिए मेरे माता-पिता इंतजार कर रहे थे, मरीज संख्या 13, वह [मेरा भाई] नहीं था। उन्हें आखिरकार बताया गया कि [मेरा भाई] शामिल नहीं है।
- 5 कई प्रभावित करीबी, उत्तरजीवी और गवाह, जिनसे हम मिले, उन्होंने महसूस किया कि दोनों पीड़ितों की पहचान प्रक्रिया और अस्पताल में इलाज कर रहे लोगों की पहचान करने की प्रक्रिया ने उन्हें अतिरिक्त और अनावश्यक दुःख पहुंचाया है। कुछ लोगों ने कहा कि उन्हें आतंकवादी हमले के बाद पहले 24 घंटों में न्यूजीलैंड पुलिस और अस्पताल के कर्मचारियों से संघर्षपूर्ण और असंगत जानकारी मिली। एक मामले में, एक करीबी सदस्य जिसने अपने प्रियजन को मरता हुआ देखा था, उसे न्यूजीलैंड पुलिस और अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा आशा नहीं खोने के लिए कहा गया था और कहा कि उनके प्रिय व्यक्ति का इलाज दूसरे अस्पताल में किया जा सकता है। इस झूठी आशा के कारण अतिरिक्त दुःख हुआ।
- 6 जिन लोगों से हम मिले, वे इस बात से निराश थे कि उनके मृतक प्रियजनों को घटनास्थल से स्थानांतरित करने में कितना समय लगा, और उनके प्रियजनों को औपचारिक रूप से मृतक के रूप में पहचाना जाना चाहिए। एक मामले में, हमें समाचार पत्र के एक लेख में अपने प्रियजन की मृत्यु के बारे में पढ़ने पर एक करीबी करीबियों सदस्य द्वारा बताया गया था, जिसे न्यूजीलैंड पुलिस ने पहले से सूचित नहीं किया था।

7 कुछ प्रभावित करीबी भी निराश थे कि उन्हें अपने प्रियजनों की खोज के लिए न्यूजीलैंड पुलिस कॉर्डन के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। हमें बताया गया कि कुछ लोगों ने हमले के वीडियो को व्यक्तिगत रूप से देखा ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि उनके प्रियजनों को मार दिया गया था या वे अस्पताल में उन्हें ढूंढने में सक्षम हो सकते हैं।

सूचना, संचार, और मस्जिद और उनके प्रियजनों तक पहुंच की कमी, और पुलिस द्वारा चिकित्सा कर्मचारियों को घंटों तक परिसर में प्रवेश करने की अनुमति देने से इनकार करने के बीच, पीड़ितों को घटना को कठोर उपेक्षा और लापरवाही के रूप में याद करने का मौका मिल जाता है।

8 लोग इस बात से भी निराश थे कि अस्पताल में पहुंचाने वाले लोगों के इलाज में कितना समय लगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या पारंपरिक मुस्लिम नामकरण परंपराओं के बारे में अनुभवहीनता और समझ की कमी है, और इस बात में भिन्नता है कि कैसे मुस्लिम नामों का वर्तनी में इन देरी में योगदान हो सकता है। इससे करीबी सदस्यों को भी भ्रम हो गया जो अपने प्रियजनों को खोजने की कोशिश कर रहे थे और समझ रहे थे कि उनके साथ क्या हुआ था।

9 हम सभी से मिले, चाहे वे हमले के प्रभावित करीबी, उत्तरजीवी या गवाह हों, जिन्होंने क्रोध, भय, तनाव, अवसाद, चिंता, व्यामोह और/या उत्तरजीवी के अपराध के रूप में मनोवैज्ञानिक संकट का अनुभव किया हो। कई लोगों ने परामर्श या अन्य मनोवैज्ञानिक समर्थन प्राप्त किया था, या अभी भी प्राप्त कर रहे हैं, और चाहते थे कि यह समर्थन निरंतर हो। कुछ लोगों ने कहा कि उनके जीवनसाथी और बच्चों ने भी मनोवैज्ञानिक संकट का अनुभव किया है।

10 कई प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने कहा कि हमें उन कारणों के लिए सोने में कठिनाई होती है जिनमें उन सपनों के होने की आशंका शामिल होती है जो उनके सोते समय या उनके कमजोर होने के डर से हो सकते हैं। लोगों को उनके जीवन के अंतिम क्षणों में देखने का अनुभव सता रहा था। हमने भीषण दुःस्वप्नों और दृष्टांतों के कई उदाहरणों को सुना है जो बचे हुए लोग नियमित रूप से अनुभव कर रहे हैं, और उन्हें बताया गया था:

...सोना और बुरे सपने आने से बेहतर जागते रहना, लोगों से बात करना है।

11 हमने अक्सर उन बच्चों के माता-पिता से सुना जो आतंकवादी हमले में बच गए थे, क्योंकि वे मस्जिद से भागने में सक्षम थे, जो तब से समान नहीं हैं। कुछ बच्चों ने व्यवहारगत परिवर्तन प्रदर्शित किए हैं, वे स्कूल नहीं जाना चाहते हैं या जोर से आवाज़ों से आघात करते रहते हैं। एक पालक ने हमें बताया कि उन्हें ऐसा लगा कि उन्होंने अपना बच्चा खो दिया है, बावजूद इसके कि उनका बच्चा आतंकवादी हमले में शारीरिक रूप से बच गया।

12 कुछ ने बच्चों पर दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की, उन्होंने टिप्पणी की कि जो कुछ हुआ है, उसके बारे में वे क्रोध कर सकते हैं। हमें बताया गया था कि क्राइस्टचर्च में मुस्लिम बच्चों के साथ जुड़ना महत्वपूर्ण होगा, ताकि आतंकवादी हमले से उनकी लंबी अवधि की रिकवरी में उन्हें व्यावहारिक सहायता मिल सके।

13 हमें बताया गया कि आतंकवादी हमले के कुछ गवाह जिन्हें शारीरिक चोट नहीं लगी थी, उन्हें तब तक सहायता नहीं दी गई जब तक कि तीसरे पक्ष के अधिवक्ताओं ने मदद करने के लिए कदम नहीं उठाया। जिन अन्य लोगों ने सहायता का उपयोग करने की कोशिश की है, उन्हें बताया गया है कि वे आतंकवादी हमले के शिकार के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों या गैर-सरकारी संगठनों द्वारा पाल नहीं हैं और/या वर्गीकृत नहीं हैं। हमने कई लोगों से विसंगतियों के बारे में सुना, जो विभिन्न प्रकार की सहायता के लिए योग्य थे, एक ऐसा मुद्दा जिसके बारे में हम नीचे चर्चा करते हैं।

## द्वितीयक प्रभाव

- 14 प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने हमारे साथ कई प्रकार के माध्यमिक प्रभाव साझा किए हैं जिन्होंने उनके जीवन को काफी प्रभावित किया है। कुछ लोगों के रिश्ते (जीवनसाथी, करीबियों और दोस्तों के साथ) प्रभावित हुए थे। यह एक करीबी के भीतर विभिन्न विचारों जैसे मुद्दों के परिणामस्वरूप सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता या प्रियजनों को सहायता देने वाले टोल को लेने के बारे में था। आतंकवादी हमले में बच गए प्रियजनों की सहायता करने के लिए विदेशों से आना सामान्य था। इसके दुष्परिणाम हो सकते हैं और हमने सुना है कि:

...यह परिवार के ऐसे सदस्यों के लिए हानिकारक हो सकता है जिनके पास सफल करियर है और विदेशों में एक स्थिर, समृद्ध जीवन है। [न्यूजीलैंड] में उनकी योग्यता और कार्य अनुभव को मान्यता नहीं दी जाएगी और लंबे समय में यह स्थान पहले से ही कमजोर परिवार इकाई पर तनाव और दबाव को कम करता है।

- 15 हम मिले थे उन करीबियों में, कई पति मारे गए थे या गंभीर रूप से घायल हुए थे। इन करीबियों में कुछ महिलाओं के लिए, परिणाम आतंकवादी हमले के शोकजनक भावनात्मक प्रभाव से आगे चला गया। कई लोगों के लिए, इसका मतलब करीबियों के लिए मुख्य अर्जक का नुकसान था। कुछ महिलाएं करीबियों के भीतर नई भूमिकाएं निभा रही हैं और ड्राइविंग या वित्तीय साक्षरता जैसे नए कौशल सीख रही हैं। इसके साथ ही, ये महिलाएं अपने स्वयं के दुःख और रिकवरी की जरूरतों से निपटने के साथ-साथ माता-पिता की जिम्मेदारियों का अधिक वहन कर रही हैं। यह उनके समय और खुद के लिए सहायता लेने और भुगतान किए गए रोजगार या अध्ययन को खोजने की क्षमता को सीमित करता है।
- 16 कुछ लोगों ने 15 मार्च 2019 के तुरंत बाद अपने तत्काल करीबियों में अन्य मौतों या बीमारी का सामना किया, जिसे उन्होंने आतंकवादी हमले के प्रभावों के लिए जिम्मेदार ठहराया। हमने एक करीबी से सुना, जिसमें दो प्रियजनों को 15 मार्च 2019 के बाद के महीनों में दिल का दौरा पड़ा, जिनमें से एक घातक था। दोनों उदाहरणों में, करीबी ने दिल के दौरों को आतंकवादी हमले के बाद होने वाले तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया। एक अन्य उत्तरजीवी ने 15 मार्च 2019 के बाद के दिनों में एक कार दुर्घटना के परिणामस्वरूप अपने पति को खो दिया। उसने उस आघात की बात की जिसे वह अनुभव कर रही थी क्योंकि उसके दोस्त आतंकवादी हमले में मारे गए थे, जिसके कारण उसे नींद से वंचित होना पड़ा। जिसके परिणामस्वरूप थकावट और थकावट ने उनकी कार दुर्घटना में योगदान दिया है।

## न्यूजीलैंड के व्यापक समुदायों से सहायता

- 17 कुछ लोगों ने गैर-मुस्लिम न्यूजीलैंडवासियों की सहायता से प्रोत्साहित महसूस करने की सूचना दी। कई लोगों ने आतंकवादी हमले के बाद देश भर के लोगों से मिली सद्भावना और/या की बात की। एक भावना यह थी कि इससे समुदायों के बीच सामाजिक सामंजस्य, एकता और परस्पर जुड़ाव में सुधार करने का अवसर मिला।
- 18 हमने मित्रों और पड़ोसियों द्वारा दिखाए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, और एक करीबी ने कहा कि इससे उन्हें उस समय न्यूजीलैंड में रहने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन मिला जब वे आतंकवादी हमले के बाद आगे बढ़ने पर विचार कर रहे थे। आशा थी कि न्यूजीलैंडवासियों द्वारा दिखाई गई सहायता जारी रहेगी, और समय बीतने के साथ भुलाया नहीं जा सकेगी।

## सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से सही सहायता प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है

- 19 न्यूजीलैंडवासियों के सामान्य सहानुभूति और सहायता के लिए आभार के खातों के साथ-साथ, हमने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के अनुभव से संबंधित कई निराशाएं सुनीं, जो समर्थन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के साथ काम कर रहे थे। सामान्य विषय सांस्कृतिक समझ की कमी, सांस्कृतिक क्षमता और नीतियों और प्रथाओं को बेहतर बनाने के प्रयासों की एक कमी है जो इस विशेष, यद्यपि असाधारण घटना से लोगों की रिकवरी की जरूरतों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त व्यावहारिक नहीं थे।

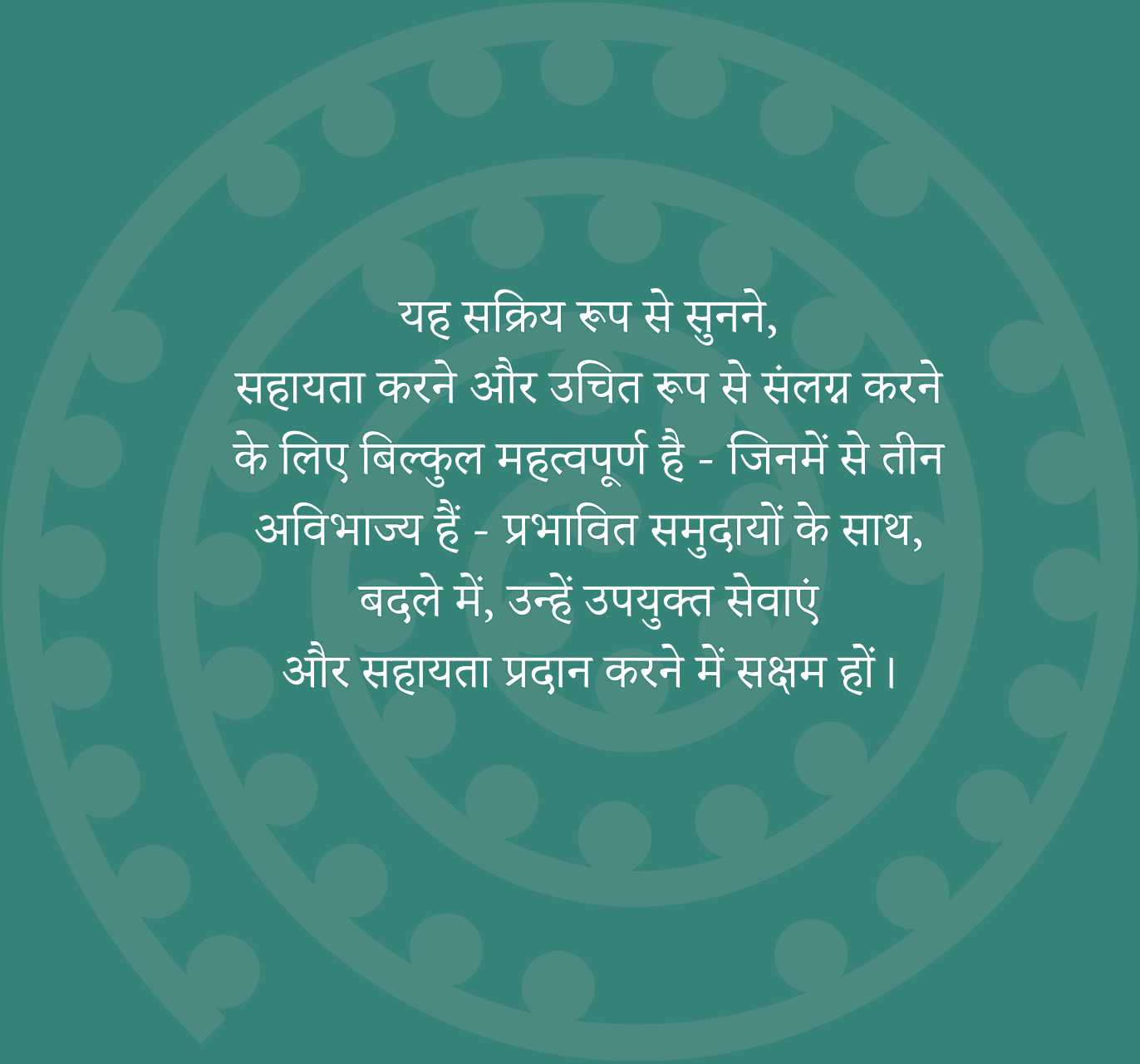
## सांस्कृतिक समझ की कमी

- 20 बहुत से लोग जिनसे हमने बात की है उन्होंने मुस्लिम समुदायों के विश्वासों और रीति-रिवाजों के बारे में सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों में कर्मचारियों की सांस्कृतिक समझ की सामान्य कमी को सूचित किया है।

पीड़ित परिवारों को ऐसी सेवाओं की पेशकश की गई है जो लेनदेन, अल्पकालिक और अपेक्षाकृत अल्पदृष्टि वाली हैं। पीड़ित समुदाय कैसे काम करता है, यह समझने के लिए कोई जानबूझकर काम नहीं किया गया है, न ही इसकी जटिलताओं और इसकी कहानी में अंतर्निहित भावनात्मक अनुभवों और स्मृति को पहचानने के लिए।

- 21 हमें बताया गया कि इन अंतरालों को स्वीकार नहीं किया गया था और कुछ, यदि कोई हो, तो संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा उन्हें संबोधित करने के प्रयास किए गए हैं।

सेवाओं को बेहतर बनाने और सांस्कृतिक और धार्मिक दक्षता प्रशिक्षण लेने के लिए चुनौती की ओर बढ़ने के बजाय, एजेंसियां या तो कोई प्रशिक्षण नहीं ले रही हैं या मुस्लिम समुदाय के लोगों पर निर्भर हैं, वे उत्तरदायी हैं यह दिखाने के लिए टोकन मुद्रा में, उन्हें मार्गदर्शन करने के लिए जातीय और धार्मिक योग्यता प्रशिक्षण के क्षेत्र में कोई विशेषज्ञता नहीं है।



यह सक्रिय रूप से सुनने,  
सहायता करने और उचित रूप से संलग्न करने  
के लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण है - जिनमें से तीन  
अविभाज्य हैं - प्रभावित समुदायों के साथ,  
बदले में, उन्हें उपयुक्त सेवाएं  
और सहायता प्रदान करने में सक्षम हों।

22 हमने सुना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा दी जा रही सेवाएं और समर्थन अक्सर मुस्लिम समुदायों की विविध प्रकृति को उचित रूप से स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए विभिन्न आवश्यकताओं के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। 50 से अधिक देशों में उन लोगों का प्रतिनिधित्व किया जाता है जो मस्जिद-नूर और लिनवुड इस्लामिक सेंटर में जाते हैं। भाषा और सांस्कृतिक बाधाएं हैं, जिन्हें हमें बताया गया है, सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के साथ संलग्न होने के पहले से ही जटिल माहौल के अतिरिक्त है। हमने सुना है कि:

...हमलों के एक साल बाद, परिवार अभी भी सेवाओं के आसपास पर्याप्त पूर्णता के लिए इंतजार कर रहे हैं जो सांस्कृतिक और भाषाई रूप से उत्तरदायी हैं और जो पूरी तरह से उनकी जटिल जरूरतों को पूरा करता है।

23 कुछ करीबी महसूस करते हैं कि उनकी जरूरतों को समझने के लिए वास्तविक जुड़ाव का अभाव था; सांस्कृतिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक भलाई और अन्यथा। परिणामस्वरूप, उन्होंने महसूस किया कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने जिस तरह से रिकवरी सहायता प्रदान की है वह हमेशा सबसे अच्छा अभ्यास नहीं था और उन्हें इस धारणा के साथ छोड़ दिया गया था कि सार्वजनिक क्षेत्र उनके साथ भेदभाव कर रहा है।

24 सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा स्थापित मीटिंग में कभी-कभी व्याख्याकार मौजूद नहीं होते थे या संबंधित भाषाओं की पेशकश नहीं की जाती थी। हमें यह भी बताया गया कि आतंकवादी हमले की जांच के दौरान न्यूजीलैंड पुलिस द्वारा साक्षात्कार के दौरान कुछ करीबी, उत्तरजीवियों और गवाहों का मामला था। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को पुलिस के सवालियों की व्याख्या करने के लिए करीबियों सदस्यों पर भरोसा करने की आवश्यकता थी। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों और उनके करीबी सदस्यों को प्रभावित करने के लिए हमें इस गंभीर आघात के बारे में बताया गया।

25 हमें यह भी बताया गया कि उपयुक्त व्याख्या की कमी के कारण कुछ लोगों ने यह समझने में उन चुनौतियों का सामना किया कि उनके लिए कौन से सहायता विकल्प उपलब्ध थे और उनका उपयोग कैसे किया जाए। कुछ मामलों में, इसका मतलब था कि लोग सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के बारे में जो कुछ कह रहे थे, उसका अनुवाद करने के लिए वे करीबी सदस्यों पर भरोसा कर रहे थे, और हमें ऐसे उदाहरणों के बारे में बताया गया, जहां कुछ लोगों ने महसूस किया कि उनके करीबी सदस्य निष्पक्ष नहीं थे या हो सकता है कि वे सभी प्रासंगिक जानकारी से गुजर नहीं रहे हों।

26 हमने कई प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से भी सुना है कि हमने नए एंट्री वीजा प्राप्त करने में या करीबी सदस्यों जो कि न्यूजीलैंड में तब उनकी सहायता के लिए आए थे, जब वे वापस अपने सामान्य जीवन पर आ रहे थे उनके लिए वीजा का विस्तार करने में चुनौतियों का सामना किया। उदाहरण के लिए, जिन महिलाओं ने अपने पति को खो दिया था और जिनके पास विदेशों में ही केवल करीबी थे, उन्होंने पाया कि करीबी को आमतौर पर न्यूजीलैंड में आने के लिए अल्पकालिक वीजा दिया जाता था ताकि वे उनकी सहायता कर सकें। यह उनकी रिकवरी में करीबी से सहायता के लिए उनकी दीर्घकालिक आवश्यकता के साथ संरेखित नहीं हुआ।

27 लोग 15 मार्च 2019 को न्यूजीलैंड में किसी ऐसे की आवश्यकता के बारे में भी चिंतित थे, जो कि विवेकाधीन वीजा के लिए पात्र था, जिसे सरकार ने लोगों की सहायता के लिए रखा था। कुछ लोगों ने अपनी निराशा व्यक्त की कि असाधारण परिस्थितियों में भत्ते नहीं बनाए जा रहे थे।

## रिकवरी की जरूरतों में सहायता के लिए नीतियां और व्यवहार व्यावहारिक नहीं हैं

- 28 हमने इस बारे में बहुत कुछ सुना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां किस तरह प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से संलग्न हो रही हैं। जबकि लोगों ने आतंकवादी हमले के प्रत्यक्ष परिणाम में लोगों और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से समग्र उदार सहायता पर टिप्पणी की, हमें यह भी बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को अनारक्षित और अनम्य माना गया है।
- 29 कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों की कहानियों से हमने उनकी रिकवरी में उन अनुभवों के बारे में जाना, जो फिर से दर्दनाक और/या अतिरिक्त तनाव का कारण बने हैं। हमें बताया गया था कि:
- ...अगर आघात बोलने में असमर्थता को अभिव्यक्त करता है; स्पष्ट करने में असमर्थता, शर्तों के साथ, और नुकसान की भावना बनाता है, फिर कई महीनों के बाद के महीनों में सरकारी एजेंसियों के साथ हुए अनुभवों के बाद से हमले फिर से आघात की कई ठोस प्रक्रिया के लिए हुए हैं, क्योंकि उन्होंने उत्तरजीवियों की ठीक होने की अक्षमता को समाप्त कर दिया है।
- 30 हमने सुना है कि जिस तरह से सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने आतंकवादी हमले के प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से निपटा है, उसने लोगों को बेरोजगार महसूस कराया है और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।
- वर्तमान में, बड़ी संख्या में पीड़ित आर्थिक रूप से या भावनात्मक रूप से जीवित रहने के लिए अपने स्वयं के व्यक्तिगत दिन से दुखी और बाधित महसूस करते हैं। यह निराशाजनक तरीके से सेवाएं प्रदान करने और लंबी अवधि के पुनर्निर्माण या पुनर्स्थापना की अनुपस्थिति के कारण है - समुदाय के पुनर्निर्माण और समर्थन के लिए दोनों सामग्री समर्थन की अनुपस्थिति, जो हमलावर की भावनाओं को उनके विश्वास और समुदाय के बारे में जानकारी या जागरूकता के माध्यम से संबोधित करता है।
- 31 हमें बताया गया था कि पीड़ितों के बयानों का उद्देश्य प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं किया गया था। कई लोगों ने हमें बताया कि उन्हें भाषा की सहायता की आवश्यकता है, लेकिन न्याय अदालत के कर्मचारियों के स्टाफ ने व्याख्याताओं को उन्हें सजा सुनाए जाने से पहले प्रक्रिया के माध्यम से मदद के लिए प्रदान नहीं किया। इसने कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को इस प्रक्रिया में शामिल नहीं किया। हमने जिस व्यक्ति से बात की, उसने हमें बताया कि इस प्रक्रिया ने शुरू में उन पर आतंकवादी हमले के नकारात्मक प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया, जो सशक्त नहीं था। अंततः उन्होंने अदालत में जो बयान दिया, वह एक सशक्तिकरण था, जो उन्हें प्रदान किए गए मानक रूप पर आधारित नहीं था।
- 32 पीड़ित प्रभावित बयानों और प्रारंभिक बयानों के बीच कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को भ्रमित किया गया था जो उन्होंने आतंकवादी हमले की पुलिस जांच के दौरान न्यूजीलैंड पुलिस को प्रदान किए थे।

## सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव

- 33 कई सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां उन लोगों की रिकवरी का समर्थन करने में शामिल हैं जो आतंकवादी हमले में बच गए या जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों, जिन्होंने इन एजेंसियों के साथ काम किया था, विशेष रूप से दुर्घटना मुआवजा निगम, सामाजिक विकास मंत्रालय, और पीड़ित सहायता, ने हमें उनके समर्थन और सेवाओं में अधिव्यापन के साथ-साथ अंतराल, और एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी के बारे में बात की थी।

समन्वय की कमी से देखभाल की कमी जटिल होती है। यह सिर्फ एक या दो मीटिंग, या एक या दो एजेंसियां नहीं हैं, बल्कि वे सभी, और एक ही समय में हैं।

- 34 इसने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा महसूस किए गए तनाव को जोड़ा क्योंकि उन्हें अक्सर अपनी कठिन कहानी को कई बार दोहराना पड़ता था, और कुछ को आतंकवादी हमले से 18 महीने से अधिक समय तक ऐसा करने की आवश्यकता होती है।
- 35 संबंधित एजेंसियों के बीच सूचना के आदान-प्रदान की कमी, और प्रस्तुत की जा रही असाधारण आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए एक कथित अनिच्छा से कई सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के साथ काम करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

एजेंसियां साइलो में काम करती हैं और एक-दूसरे के साथ जानकारी साझा करने से इंकार करती हैं, पीड़ितों को एक ही एजेंसी के भीतर कई अलग-अलग लोगों से निपटने के लिए मजबूर करती हैं। यह स्पष्ट हो गया है कि सरकारी एजेंसियां एक दूसरे के साथ सूचना साझा न करने के साधन के रूप में गोपनीयता अधिनियम 1993 का उपयोग करती हैं।

- 36 कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि यह प्रभावित करीबियों, बचे हुए लोगों और गवाहों के लिए बेहतर होगा कि वे किसी एक सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी से निपटें।
- 37 हमें बताया गया था कि ये चुनौतियां अक्सर पूर्व शरणार्थी और प्रवासी व्हाना, बचे और गवाहों के लिए अधिक थीं।

ये समुदाय [सार्वजनिक] सेक्टर एजेंसियों के मौजूदा चक्रव्यूह को कम करने में सक्षम हैं या उन संस्थागत अवरोधों को समझते हैं जो सरकार के साथ संलग्न व्यक्तियों के लिए मौजूद हैं, जिसमें नीतियों की अधिकता शामिल है, जिसमें उन्होंने पीड़ित के रूप में विभिन्न अधिकारों के लिए हवाला दिया है।

- 38 ऊपर चर्चा की गई सांस्कृतिक समझ की कमी के साथ, कुछ लोगों ने महसूस किया कि प्रदान की गई सहायता इन पूर्व शरणार्थी और प्रवासी करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों की जरूरतों के लिए सबसे उपयुक्त नहीं थी।
- 39 अक्सर चिंता व्यक्त की जाती थी कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों के पास पीड़ितों के रूप में पहचान करने वालों के लिए एक सामान्य परिभाषा या पाठ्य मानदंड नहीं है, और वे सांस्कृतिक गतिशीलता के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उदाहरण के लिए, जब पीड़ित अधिकार अधिनियम 2002 की निकटतम परिवार की परिभाषा में "अन्य सांस्कृतिक रूप से मान्यता प्राप्त परिवार समूह" शामिल हैं,<sup>1</sup> समर्थन के लिए योग्यता में अक्सर परिवार की स्पष्ट व्याख्या शामिल होती है।

एकल परिवार की पश्चिमी अवधारणा को एजेंसियों द्वारा स्वीकार किया जाता है और अधिकांश लोग सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और मान्यता प्राप्त परिवार के समूह को स्वीकार नहीं करते हैं।

<sup>1</sup> धारा 4, पीड़ित अधिकार अधिनियम 2002

- 40 हमें इस बात के बारे में बताया गया था कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों की परिवार की व्याख्या सरकारी सहायता सेवाओं तक पहुंचने की लोगों की क्षमता पर है, विशेष रूप से पेशकश की गई सेवाओं में भ्रम और असंगति के संदर्भ में। यह सब कुछ करीबियों के लिए चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक और रोजगार के मुद्दों के परिणामस्वरूप हुआ, जो आतंकवादी हमले से पहले ही कमजोर स्थिति में थे।
- 41 हमने पीड़ितों के रूप में पहचान करने वालों के लिए मानदंडों के असंगत आवेदन के बारे में भी सुना। विशेष रूप से, हमें बताया गया था कि कभी-कभी प्रदान की जाने वाली सहायता का स्तर व्यक्तिगत सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी के आधार पर अलग-अलग होता है और यह कि कुछ लोगों को समान हानि होने पर विभिन्न सेवाएं प्राप्त हुई हैं। इसने कुछ लोगों के लिए एक धारणा बनाई है कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां और गैर-सरकारी संगठन पीड़ितों के पदानुक्रम या पीड़ितों की प्राथमिकता सूची बना रहे हैं, कुछ मामलों में शिकायतें और रिश्तों में तनाव पैदा करते हैं।
- 42 कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों का कहना है कि मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से जो वादा किया है और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी के कर्मचारी अलग-अलग स्थितियों से कैसे निपट रहे हैं, इसकी वास्तविकता के बीच बेमेल है। हमें सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने सहायता का वादा किया था और अक्सर बिना पर्याप्त विवरण दिए, इसका पालन नहीं किया गया था। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के बिना सहायता के अनुरोधों को कभी-कभी अस्वीकार कर दिया गया था, और अधिक जानकारी की आपूर्ति करने का अवसर था या इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं था कि अस्वीकार का निर्णय क्यों किया गया था।

### दृष्टिकोण में लचीलेपन की कमी

- 43 जबकि कई लोगों ने उन्हें प्राप्त सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, हमने सुना है कि कुछ मामलों में आतंकवादी हमले से प्रभावित लोगों के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता पर्याप्त नहीं है, या जो इसके लिए योग्य हैं, उन्हें हमेशा उनके अधिकारों के बारे में पता नहीं चलता है। हमारे सामने एक चिंता का विषय यह था कि रिकवरी के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र “एक आकार सभी में फिट बैठता है” लागू किया गया था और वह पर्याप्त नहीं था।

हालांकि ये एजेंसियां अच्छी तरह से अर्थ रखती हैं, पीड़ितों ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों की रिपोर्ट की है: वित्तीय, चिकित्सा, शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक।...पीड़ित रिपोर्टों में आवर्ती संदेश यह है कि सरकार उनकी जरूरतों को समझने और उनका पता लगाने के लिए सुव्यवस्थित नहीं है।

- 44 हमने सुना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली अधिकांश सहायता अल्पकालिक सहायता पर केंद्रित है, जो आतंकवादी हमले से गहराई से प्रभावित समुदायों की चल रही और दीर्घकालिक जरूरतों के लिए, सांस्कृतिक रूप से उचित तरीके से नहीं है। उदाहरण के लिए, हमें बताया गया कि लंबी अवधि के सामुदायिक-निर्माण की पहल को शामिल करने के लिए रिकवरी की आवश्यकता है जो इन समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम होगी और सरकार पर निर्भर नहीं होगी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से अल्पकालिक वित्तीय सहायता पर भरोसा करने की आवश्यकता वाले व्यवसायों के बजाय अपने व्यवसायों का समर्थन करने के लिए ब्याज मुक्त ऋण (ब्याज पर धार्मिक प्रतिबंधों का मामला) जैसी पहल शामिल हो सकती है।
- 45 कुछ लोगों ने महसूस किया कि एक्सीडेंट कॉम्पेंसेशन कॉर्पोरेशन में इस तरह की घटना के लिए अपने सिस्टम में पर्याप्त लचीलापन नहीं था, और यह बन्दूक की चोटों के कारण होने वाली जटिलताओं का ध्यान नहीं रख रहा था, जैसे कि बुलेट के टुकड़े और तंतुओं में क्षति। उदाहरण के लिए, एक उत्तरजीवी व्यक्ति एक्सीडेंट कॉम्पेंसेशन कॉर्पोरेशन की उम्मीदों और उनके ठीक होने के बारे में प्राप्त चिकित्सीय सलाह के बीच बेमेल से निराश था। उत्तरजीवी व्यक्ति को चिकित्सीय सलाह के बावजूद एक्सीडेंट कॉम्पेंसेशन कॉर्पोरेशन द्वारा काम पर वापस जाने का दबाव महसूस हुआ कि वे ऐसा करने में असमर्थ थे।
- 46 अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के बारे में भी ऐसी ही भावनाएँ साझा की गईं। उदाहरण के लिए, कुछ महिलाएँ जिनके पति एकमात्र आय अर्जनकर्ता थे, उन्होंने कहा कि उन्हें सामाजिक विकास मंत्रालय ने अपने प्रि-स्कूल के बच्चों की देखभाल के लिए दबाव डाला ताकि वे काम की तलाश कर सकें।
- 47 हमने आब्रजन मुद्दों पर विचार करने की आवश्यकता के बारे में एक मामले के आधार पर विचार करने की आवश्यकता को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति की परिस्थितियों से जुड़ी जटिलताओं को दिया। यह विशेष रूप से सोमाली समुदाय के सदस्यों के लिए एक मुद्दा था जो प्रियजनों को खो चुके थे या आतंकवादी हमले में बच गए थे। हमने सुना है कि आतंकवादी हमले से प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए लगाए गए आब्रजन उपायों के बावजूद, सोमाली करीबियों को विशेष चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जो कि न्यूजीलैंड के लिए एक वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में सोमाली पासपोर्ट को मान्यता नहीं देने का श्रेय देते हैं (यद्यपि इसका कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों द्वारा शरणार्थी उद्देश्यों के लिए स्वीकार किया जाता है)। इससे सोमालिया से उन्हें करीबियों की सहायता प्राप्त करना मुश्किल हो गया, और कुछ मामलों में करीबी अभी भी प्रगति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
- 48 कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि आब्रजन न्यूजीलैंड प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए एक मध्यम से दीर्घकालिक आधार पर समर्थन उद्देश्यों हेतु करीबियों को न्यूजीलैंड में यात्रा करने और न्यूजीलैंड से बाहर जाने के लिए एक विशेष प्रवेश वीजा बना सकता है।
- 49 हमें प्रभावित न्याय प्रणाली से संबंधित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को उपलब्ध समर्थन में कमियों के बारे में भी बताया गया था। इसे निम्न के रूप में वर्णित किया गया था:

...आपराधिक प्रक्रिया से बाहर रखा जा रहा है और इस प्रक्रिया में कोई सार्थक भागीदारी महसूस नहीं कर पा रहा है या इनपुट में असमर्थ होने के कारण गहरा व्यापक आघात है।

- 50 हमने आपराधिक न्याय प्रक्रिया में पीड़ितों की स्वीकृति की कमी के कारण मोहभंग और आशा और विश्वास की हानि के बारे में सुना, और यह महसूस किया कि उनकी आवाज सूनी नहीं जा रही है। इस विशिष्ट मामले में करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को प्रभावित करने वाले मुद्दों और चिंताओं को कुछ लोगों द्वारा उन मुद्दों के प्रदर्शन के रूप में देखा गया था जो पीड़ितों को न्यूजीलैंड की आपराधिक न्याय प्रणाली में अधिक व्यापक रूप से सामना करते हैं। पीड़ितों के अधिकारों के सिद्धांतों, जैसा कि पीड़ित संहिता में निर्धारित किया गया था<sup>2</sup> और पुनः आघात सहित आपराधिक न्याय प्रणाली के पीड़ितों के अनुभव के बीच बेमेल की शिकायतें थीं।

<sup>2</sup> पीड़ित संहिता यह निर्धारित करती है कि जब आप अपराध के शिकार होते हैं, तो आप कैसे इलाज की उम्मीद कर सकते हैं- <http://www.victiminfo.govt.nz/support-and-services/victims-rights/victims-code-full-text-version/>.

- 51 कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने हमें बताया कि जब वे एक अवसर पर अदालत में उपस्थित हुए, तो उन्होंने डर महसूस किया, क्योंकि एक व्यक्ति अदालतों के बाहर खड़ा था, जो सफेद वर्चस्ववादी विचारों को करीबियों के रूप में व्यक्त कर रहे थे और उत्तरजीवी अदालत में दाखिल हुए।
- 52 कुछ लोगों ने हमें बताया कि जब रिकवरी की जरूरतों पर विचार किया गया है, तो सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां उन लोगों की रिकवरी की जरूरतों का हिसाब नहीं रखती हैं जो आतंकवादी हमले के गवाह थे लेकिन किसी भी तरह से शारीरिक रूप से घायल नहीं थे। हमने इनमें से कई गवाहों के आघात के बाद के तनाव के बारे में सुना है, और उन्हें लगता है कि उन्हें अपर्याप्त समर्थन प्राप्त हो रहा है क्योंकि वे पीड़ितों की सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों की परिभाषा में फिट नहीं हैं।

### स्टाफ की जागरूकता की कमी

- 53 कुछ लोगों ने महसूस किया कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों की संवेदनशीलता और जागरूकता की कमी है, जिसका वे समर्थन करने के लिए थे और उन्हें आघात का सामना करने वाले लोगों से निपटने में अनुभवहीन लगता था। हमें इस बारे में बताया गया था:

...पीड़ितों की भावनात्मक जरूरतों के बारे में अधिक "जानकारी के लिए एजेंसियों और संगठनों की आवश्यकता"।

- 54 जब वे सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के साथ मिले, तो कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के लिए यह स्पष्ट हो गया और लगा कि अगर वे या उनके करीबी अभिभूत दिखाई नहीं देते तो कर्मचारी उत्तरदायी नहीं थे। कुछ लोगों को कई बार सूचनाओं का अधिभार प्रदान किया गया था जब वे इसे ठीक से संसाधित करने में सक्षम नहीं थे:

...जहां सक्रिय श्रवण होना चाहिए, वहां सूचनाओं का एक प्रलय है; जहां वकालत होनी चाहिए वहां अंतहीन मीटिंग होती है।

- 55 इसने कुछ लोगों को यह सवाल करने के लिए प्रेरित किया कि क्या सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी के कर्मचारियों को उचित रूप से प्रशिक्षित या पीड़ित लोगों से निपटने के लिए समर्थन दिया गया है।



## अध्याय 3: मुसलमान के रूप में न्यूजीलैंड में जीवन

1

- 2 सबसे अधिक प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाह, जिनसे हम मिलें वे विदेशों से न्यूजीलैंड आए थे। उनके रहने का समय कुछ महीनों से लेकर दशकों तक होता है।  
कुछ के लिए, इसका मतलब था कि न्यूजीलैंड का उनका अनुभव इस बात पर आधारित था कि वे कहां से आए थे।

कई पीड़ित अंतरजनपदीय आघात ढोते हैं, जिसमें से वे  
न्यूजीलैंड में आए और अपने प्रियजनों को गंवा दिया या पीछे छोड़ दिया या, संबंधित रूप से, ऐसे आघात  
को कम करने के लिए या समर्थन प्रणाली कम कर दी है या कोई समर्थन प्रणाली नहीं है।

- 3 हमने न्यूजीलैंड में जन्मे कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से बात की जो  
मुस्लिम के रूप में पले थे और उनके व्यक्तिगत अनुभव के लिए तुलना का कोई मतलब नहीं था। हमने न्यूजीलैंड में  
पैदा हुए ऐसे लोगों से भी बात की, जो इस्लाम में परिवर्तित हो गए थे।

### न्यूजीलैंड को आमतौर पर सकारात्मक रूप से देखा जाता है, लेकिन व्यापक नस्लवाद, भेदभाव और इस्लामोफोबिया मौजूद है

- 4 15 मार्च 2019 के आतंकवादी हमले से पहले न्यूजीलैंड और न्यूजीलैंडवासियों के अपने अनुभव आमतौर पर  
सकारात्मक थे। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड आमतौर पर शांतिपूर्ण और सुरक्षित महसूस करता था, और उन्होंने कभी  
नहीं सोचा था कि यहां ऐसा आतंकवादी हमला हो सकता है। उन्होंने महसूस किया कि बहुत से न्यूजीलैंड के लोग बहुत  
स्वीकार करने वाले और मिलनसार थे। हमने दोस्ताना और स्वागत करने वाले पड़ोसियों के बारे में सुना। हमने ऐसे  
कार्य स्थानों के बारे में सुना, जो लोगों की धार्मिक प्रथाओं और जरूरतों को समायोजित कर रहे थे, जिससे उन्हें शुक्रवार  
की प्रार्थनाओं में भाग लेने और काम के घंटों के दौरान प्रार्थना के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए समय मिल सके।
- 5 इन सकारात्मक अनुभवों के बावजूद, हम लगभग हर किसी के साथ व्यक्तिगत रूप से नस्लवादी घटनाओं या भेदभाव  
का सामना करते थे या करीबी और दोस्तों के बारे में जानते थे। हमारे साथ साझा एक दृष्टिकोण यह था कि 15 मार्च  
2019 आतंकवादी हमला था:

...मुसलमानों की रोजमर्रा की ज़िंदगी के अपवादों की बजाय मुख्यधारा से अलग, हमलों को इसकी परिणति  
के रूप में देखा जाता है।

- 6 हिजाब एक दृश्यमान विश्वास मार्कर होने के साथ, मुस्लिम महिलाएं अक्सर खुद को नस्लवाद या भेदभाव के अधीन  
पाती हैं, पुरुषों की तुलना में बहुत ही अधिक। हिजाब में कई महिलाएं जिनके साथ हमने बात की, उन्होंने सड़क पर  
उत्पीड़न का अनुभव किया और कुछ लोगों ने कहा कि वे अपने करीबी और हिजाब पहनने वाले दोस्तों के बारे में चिंतित  
हैं। उनके हिजाब में कुछ महिलाओं ने कहा कि उन्हें अपने आप बाहर जाने से ज्यादा डर लगता है। उन्होंने हमें बताया  
कि आतंकवादी हमले के बाद वे सार्वजनिक स्थानों पर जाने और उन चीजों को करने से बचते थे जो उनकी दिनचर्या का  
हिस्सा हुआ करते थे, जैसे कि अपने बच्चों को स्कूल ले जाना या शाम को टहलना। एक महिला ने हमें बताया कि वह  
अब अपने हिजाब को छिपाने के लिए सार्वजनिक रूप से एक हूड स्वेटशर्ट पहनती है।
- 7 कुछ माता-पिता ने उनके बच्चों के स्कूल में रहने या उनके पड़ोस में टहलने के दौरान धमकाने या आहत करने वाली  
टिप्पणियों के बारे में हमें बताया। बहुत से लोग जिनसे हम बात करते थे, उन्होंने गाड़ी में बैठे लोगों द्वारा उन पर  
चिल्लाए गए नस्लवादी या घृणित टिप्पणियां किए जाने के बारे में बताया। कुछ लोगों ने मुस्लिम धर्म की गलतफहमी या  
मिथ्याबोध के लिए इस तरह के अनुभवों को रखा, हालांकि वे उन्हें चोट लगने की स्थिति में नहीं पाए।

8 कुछ लोगों ने काम पर या नौकरी खोजने की कोशिश में भेदभाव का अनुभव किया। लोगों ने नौकरियों के लिए असमर्थ होने पर निराशा व्यक्त की, उन पदों के लिए अत्यधिक योग्य होने के बावजूद जो वे आवेदन कर रहे थे। उन्होंने इसके लिए पारंपरिक अंग्रेजी नाम नहीं होने को जिम्मेदार ठहराया। कुछ लोगों ने एक महत्वपूर्ण संख्या में नौकरियों के लिए आवेदन किया था, जिसके लिए उन्हें अच्छी तरह से योग्य सोचा गया था कि उन्हें प्राप्त होने वाले साक्षात्कार के बहुत सीमित संख्या में पूर्वाग्रह थे। हमने एक महिला से सुना कि नौकरी के आवेदन के प्रयोजनों के लिए अपने नाम को पारंपरिक अंग्रेजी नाम में बदलने के बाद ही उसे साक्षात्कार अनुरोध प्राप्त होना शुरू हो गया।

9 जिन कुछ लोगों से हम मिले, उन्होंने कहा कि उन्होंने न्यूजीलैंड पुलिस को नस्लवादी घटनाओं की सूचना दी थी, लेकिन यह महसूस नहीं किया था कि इसका परिणाम सकारात्मक था। या तो रिपोर्ट औपचारिक रूप से दर्ज नहीं की गई थी, या उन्हें लगा कि न्यूजीलैंड पुलिस घटना को गंभीरता से नहीं ले रही है। उनकी रिपोर्ट के जवाब में जो किया गया था, उसके बारे में उन्होंने न्यूजीलैंड पुलिस से वापस नहीं सुना। कुछ के लिए, इसने न्यूजीलैंड पुलिस पर उनके विश्वास को प्रभावित किया, जिससे यह संदेह पैदा हुआ कि रिपोर्ट होने पर न्यूजीलैंड पुलिस कार्रवाई करेगी। इस तरह के अनुभवों ने लोगों को न्यूजीलैंड पुलिस के ध्यान में ऐसी समस्या लाने में हतोत्साहित किया। हमें बताया गया था कि:

...दोनों प्रभावित मस्जिद इस बात से सहमत हैं कि मस्जिदों में और आसपास संदिग्ध व्यवहार की कई रिपोर्टों के बावजूद, पुलिस ने अपर्याप्त ध्यान दिया है... समुदाय के लोगों के लिए, यह कर्तव्य की रक्षा के लिए अपमानजनक माना जाता है, साथ ही यह स्वीकार करने में विफलता है कि मुसलमान हैं और भेदभाव, बलि का बकरा, और साथ ही दूर-दराज के चरमपंथ और सफेद वर्चस्ववादियों के लिए खतरा हैं, और इसलिए पुलिस की ओर से विशेष देखभाल, जवाबदेही और सतर्कता की गारंटी होनी चाहिए।

10 अन्य मामलों में, लोगों ने कहा कि उन्होंने नस्लवादी घटनाओं की रिपोर्टिंग करने की जहमत नहीं उठाई क्योंकि उन्होंने समुदाय में दूसरों को ऐसा करते देखा था, जिसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। एक व्यक्ति ने हमें इस प्रकार व्यक्त किया:

...अभी वहां वह संचार नहीं है क्योंकि हमें लगता है कि हम एक समुदाय के रूप में दूसरे दर्जे के हैं। वे हमें वह एहसास देते हैं, और हमें पुलिस से वह भरोसा नहीं मिलता है। केवल कई बार आप किसी के पास जाना चाहते हैं यदि वे आपको अविश्वास का एहसास देते हैं। एक बिंदु आता है जहां आप उन पर भरोसा भी नहीं करते हैं और आपको लगता है कि कुछ चीजें हो रही हैं, पुलिस के पास जाने की क्या बात है? जब यह बहुत खतरनाक हो जाता है क्योंकि आप जानते हैं कि कुछ चीजें हो रही हैं, लेकिन उस भावना और पुलिस के बीच अविश्वास के कारण आपके पास प्राधिकरण और आप के बीच बड़ा अंतर है और आप अपने आप को उन लोगों से दूर कर रहे हैं जो वास्तव में आपकी रक्षा कर सकते हैं और उसे रोक सकते हैं। तो हम उनके बीच उस विश्वास का निर्माण कैसे करते हैं और दूसरी दूर के नागरिकों की तरह महसूस न करने के अंतर को कम करते हैं?

11 कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने बताया कि न्यूजीलैंड के उनके अनुभव 15 मार्च 2019 से बदल गए हैं। हालांकि कुछ लोगों ने कहा कि न्यूजीलैंड में अभी भी सुरक्षित महसूस होता है, अन्य लोगों ने कहा कि वे पहले से कम सुरक्षित महसूस करते हैं। सुरक्षा पर चिंता ने कुछ समुदायों को गेटेड समुदायों की आवश्यकता महसूस करने, उनके आवासों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने और न्यूजीलैंड पुलिस के लिए मुस्लिम समुदायों के साथ वास्तविक संबंधों के निर्माण में अधिक सक्रिय होने का नेतृत्व किया है। कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने 15 मार्च 2019 के आतंकवादी हमले के बाद से न्यूजीलैंड पुलिस को नस्लवादी घटनाओं की सूचना दी थी और उन्हें लगा कि इनको गंभीरता से लिया गया है।

## पूर्वाग्रह का प्रभाव (अचेतन या अन्यथा), विशेष रूप से मीडिया में

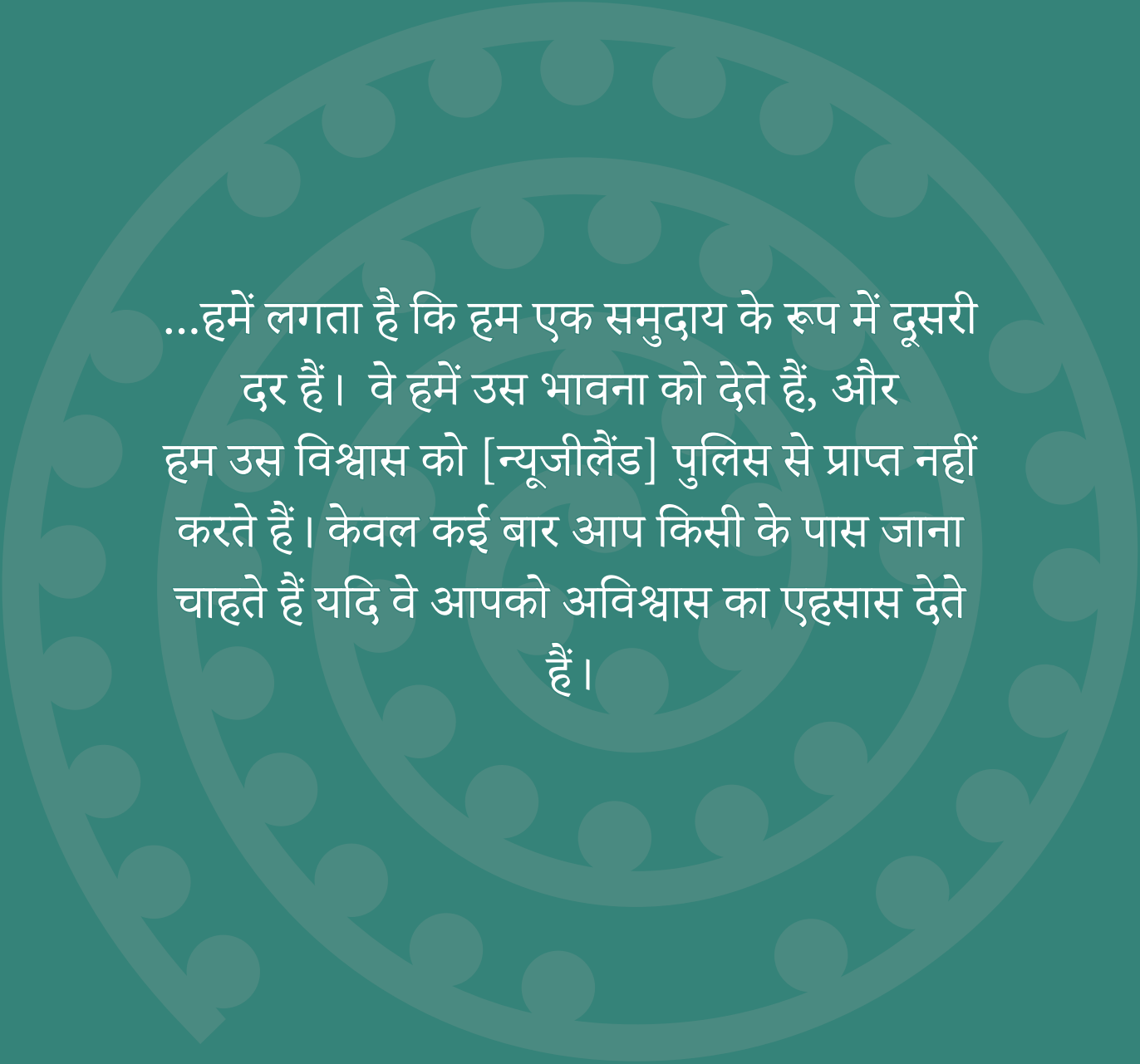
- 12 कई प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से हमने सुना, 15 मार्च 2019 को आतंकवादी हमला अप्रत्याशित नहीं था। हमने सुना है कि:

...दिन की घटनाओं को इसके आने के इतने सारे कथा-कहानियों के संकेतों द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिनमें से सभी स्पष्ट थे और उन सभी को अनदेखा कर दिया गया था जिनके पास कार्य करने की शक्ति थी।

- 13 हमें बताया गया कि यह सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों सहित एक समाज के संदर्भ में हुआ था, जिसमें अक्सर मुस्लिम समुदायों और सांस्कृतिक विविधता को व्यापक रूप से गलत समझा जाता है। लोगों ने महसूस किया कि मुस्लिम समुदायों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के व्यवहार में और उसके बाद, आतंकवादी हमले से पहले एक अनिच्छित पूर्वाग्रह प्रचलित था।

हालांकि यह समुदाय के बाहर अन्य लोगों के लिए स्पष्ट नहीं हो सकता है, इस्लामोफोबिया के सामान्य प्रवचन और सरकारी एजेंसियों द्वारा मुस्लिम समुदाय के विशिष्ट तरीकों के बीच की कड़ी पीड़ितों के मामले में स्पष्ट है।

- 14 कुछ लोगों ने विशेष रूप से हाल के वर्षों में समय के साथ सोशल मीडिया पर नस्लवादी टिप्पणियों पर ध्यान दिया। हमने ऑनलाइन खतरों को अधिक गंभीरता से लेने के लिए और इनकी जांच के लिए एक सामान्य कॉल सुनी। हमें यूट्यूब वीडियो और फ़ेसबुक पेज दिखाए गए थे जो कि इस्लामोफोबिक, नस्लवादी या अन्य घृणित भावनाओं पर आधारित थे, और उन्हें रिपोर्ट करने वाले लोगों से बहुत संबंधित थे। ये वीडियो और पेज सभी न्यूजीलैंड स्थित लोगों के थे। कुछ मामलों में, न्यूजीलैंड पुलिस को अत्यधिक सामग्री के बारे में सूचित किया गया था, लेकिन लोग इस तरह की सामग्री को हटाने के मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों द्वारा बहुत कम कार्रवाई देख रहे हैं। कुछ लोगों ने महसूस किया कि तुलना में, इस्लामी चरमपंथी सामग्री वाली वेबसाइटों को अधिक आसानी से लिया जाता है।



...हमें लगता है कि हम एक समुदाय के रूप में दूसरी  
दर हैं। वे हमें उस भावना को देते हैं, और  
हम उस विश्वास को [न्यूजीलैंड] पुलिस से प्राप्त नहीं  
करते हैं। केवल कई बार आप किसी के पास जाना  
चाहते हैं यदि वे आपको अविश्वास का एहसास देते  
हैं।

- 15 प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने हमारे साथ अपने विश्वास को साझा किया कि न्यूजीलैंड और अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन और प्रिंट मीडिया मुसलमानों के खिलाफ पक्षपाती हैं। हमें बताया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को आतंकवादी हमलों के बाद से पक्षपाती रिपोर्टिंग में काफी वृद्धि हुई है। कई लोगों ने मुसलमानों और इस्लाम के बारे में गलत धारणाओं को साझा करने में मीडिया की भूमिका पर अपनी निराशा व्यक्त की, उन्होंने टिप्पणी की कि उनकी रिपोर्टिंग ने न्यूजीलैंड और दुनिया भर में मुस्लिम विरोधी विचारों को बढ़ाने में योगदान दिया है। हमें बताया गया था कि:

...मीडिया ने मुस्लिमों को अपमानित या बदनाम किया है, या कम से कम आलोचनात्मक प्रति-कथन प्रदान करने में विफलता के द्वारा इस तरह की शिथिलता की निंदा की है, और यह दिन में नस्लवाद का अनुभव है।

- 16 हमने कुछ लोगों के दैनिक जीवन पर नकारात्मक मीडिया रिपोर्टों के वास्तविक प्रभावों के बारे में सुना, जिसमें नस्लवाद के ताने-बाने में इस्लाम की गलत धारणाएं शामिल हैं, जो सड़कों पर लोगों पर चिल्लाकर किया जाएगा। क्राइस्टचर्च मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों के लिए, 2014 से ताने मारे गए थे जब क्राइस्टचर्च में कट्टरपंथी इस्लाम के बारे में एक मीडिया स्टोरी प्रकाशित की गई थी, और आरोप लगाए गए थे कि किसी को क्राइस्टचर्च में एक विशिष्ट मस्जिद में कट्टरपंथी बनाया गया था। इस मीडिया स्टोरी का क्राइस्टचर्च मुस्लिम समुदायों पर महत्वपूर्ण और चल रहा प्रभाव था, जिसमें मस्जिद में चल रही घटनाओं, जैसे घुसपैठ, उत्पीड़न और चोरी के बाद की रिपोर्ट थी। 2014 के मीडिया की कहानी पर प्रतिबिंबित करते हुए, आतंकवादी हमले के एक उत्तरजीवी ने उस बिंदु से मस्जिद में सुरक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की बात की।
- 17 एक अर्थ यह भी था कि 15 मार्च 2019 के आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाले व्यक्ति का मीडिया चित्रण पक्षपाती था। मीडिया लेखों ने सवाल किया कि एक "अच्छा लड़का" बुरा कैसे हो सकता है? प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने महसूस किया कि यह एक मुसलमान था जिसने आतंकवादी हमला किया था, मीडिया ने व्यक्ति को अलग तरीके से चित्रित किया होगा और एक अच्छा व्यक्ति होने पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना नहीं होगी।



## अध्याय 4: व्यक्तिगत और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों ने आतंकवादी के बारे में क्या सवाल उठाए

- 1 प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से, जिन्होंने हमसे मुलाकात की, हमसे उस व्यक्ति के बारे में सवाल पूछे या उन लोगों के बारे में अपने विचार साझा किए, जिन्होंने आतंकवादी हमले को अंजाम दिया था। उनका मानना है कि व्यक्ति 15 मार्च 2019 को आतंकवादी हमले से पहले मस्जिद-नूर और लिनवुड इस्लामिक सेंटर का दौरा किया था। उन्होंने एक व्यक्ति का वर्णन किया, जिसके बारे में उनका मानना है कि वह इमाम के साथ मस्जिद-नूर में निस्संदेह बातचीत में उलझा हुआ व्यक्ति था, और कहा कि प्रार्थना के समय सहित मस्जिद में उनकी प्रथाओं ने सुझाव दिया कि वह नियमित रूप से मस्जिद में उपस्थित नहीं थे।
- 2 सबसे अधिक प्रभावित करीबी, उत्तरजीवी और गवाह इस बात की पुष्टि नहीं कर सके कि व्यक्ति किस तरह से तैयारी और योजना की गतिविधियों को अंजाम देने में सक्षम था जिसे उसने पता लगाए बिना किया था। उनका मानना है कि आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए उसे दोस्तों या ऑनलाइन समूहों का समर्थन प्राप्त होना चाहिए था। उनका यह भी मानना है कि आतंकवादी हमले के लिए एक से अधिक लोगों को शामिल होना चाहिए था क्योंकि इसकी योजना बनाई गई थी, और कुछ लोगों ने आतंकवादी हमले के दौरान दूसरों से बात करते हुए सुनने की सूचना दी।
- 3 आतंकवादी हमले के दोषी व्यक्ति के बारे में हमसे बात करने वाले करीबी, उत्तरजीवी और गवाहों के पास विशिष्ट सवाल थे, जिनका वे रॉयल कमीशन की रिपोर्ट के माध्यम से जवाब चाहते थे, जिनमें शामिल हैं:
  - क्या उसके पास आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन था?
  - आतंकवादी हमले को अंजाम देने के लिए आवश्यक सभी हथियारों और उपकरणों को खरीदने का खर्च वह कैसे उठा सकता है?
  - अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किए बिना उन्होंने इतना गोला-बारूद कैसे जमा किया?
  - इस तथ्य को देखते हुए कि उन्होंने यात्रा सलाहकार चेतावनियों वाले देशों का दौरा किया था, उन्हें न्यूजीलैंड में प्रवेश करने पर आब्रजन द्वारा अधिक अच्छी तरह से जाँच क्यों नहीं की गई थी?
  - उसे मस्जिद एन-नूर या लिनवुड इस्लामिक सेंटर में प्रवेश करने के लिए 'सही समय' का कैसे पता चला?
- 4 व्यक्तिगत और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों के बारे में समुदायों द्वारा उठाए गए ये और अन्य प्रश्न उनके बारे में हमारी रिपोर्ट में उत्तर दिए गए हैं।



## अध्याय 5: प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा प्रस्तावित समाधान

- 1 प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से मिलने का हमारा प्राथमिक उद्देश्य उन्हें सुनना था। अपने व्यक्तिगत अनुभवों और चिंताओं को साझा करने के अलावा, कई ने हमें अपने सुझाव भी दिए कि वे हमारे साथ कैसे उठाए गए मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं।
- 2 हमें बताया गया था कि कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को रॉयल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी और (क्या होता होगा) सहित, प्रक्रियाओं में भाग लेने से पहले ठीक करने के लिए समय की आवश्यकता थी। इस तरह की प्रक्रियाओं की समयबद्ध प्रकृति के कारण, कुछ भाग नहीं ले पाएंगे, इसके बावजूद यह उनकी व्यक्तिगत रिकवरी का एक सशक्त हिस्सा है। हमारे सामने रखे गए एक प्रस्ताव ने एक दीर्घकालिक पुनर्स्थापनात्मक न्याय प्रक्रिया की स्थापना का सुझाव दिया जो समयबद्ध नहीं है। इस प्रक्रिया को प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ सह-डिजाइन किया जाएगा ताकि उनकी चल रही जटिल जरूरतों को पूरा किया जा सके। इस तरह की प्रक्रिया पीड़ितों को जवाबदेही, चिकित्सा, उनके अनुभवों को आवाज देने और प्रतिशोध लेने का अवसर प्रदान करेगी। बिना समय सीमा के, इस प्रक्रिया से उन लोगों को समर्थन की जरूरत होती है जो उनके लिए काम करते हैं और इस तरह से, उन्हें अपनी रिकवरी में सशक्त बनाते हैं।
- 3 हमें बताया गया कि न्यूजीलैंड पुलिस और अस्पतालों की प्रतिक्रिया सहित आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया का एक स्वतंत्र मूल्यांकन प्रदान करने के लिए एक कोरोनियल जांच की जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी बकाया सवाल का जवाब दिया जाए।
- 4 जब हम अपनी रिपोर्ट के जवाब में बदलाव करने और अपनी सिफारिशों को लागू करने की बात करते हैं, तो हमने कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों और मुस्लिम समुदाय संदर्भ समूह के सदस्यों से सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से पारदर्शिता के महत्व के बारे में सुना। हमें बताया गया था कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारी रिपोर्ट पर कार्रवाई हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को रखने के लिए समुदायों को नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने प्रस्तावित किया कि प्रभावित हमले के लिए जिम्मेदार मंत्री, जीवित बचे लोग और आतंकवादी हमले के गवाह और रॉयल कमीशन की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार मंत्री होना चाहिए, जैसे कि पाइक रि-एंट्री के लिए जिम्मेदार मंत्री, और यह कि सभी संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां उस मंत्री को रिपोर्ट करेंगी।

### मस्जिद पर बड़ी हुई सुरक्षा

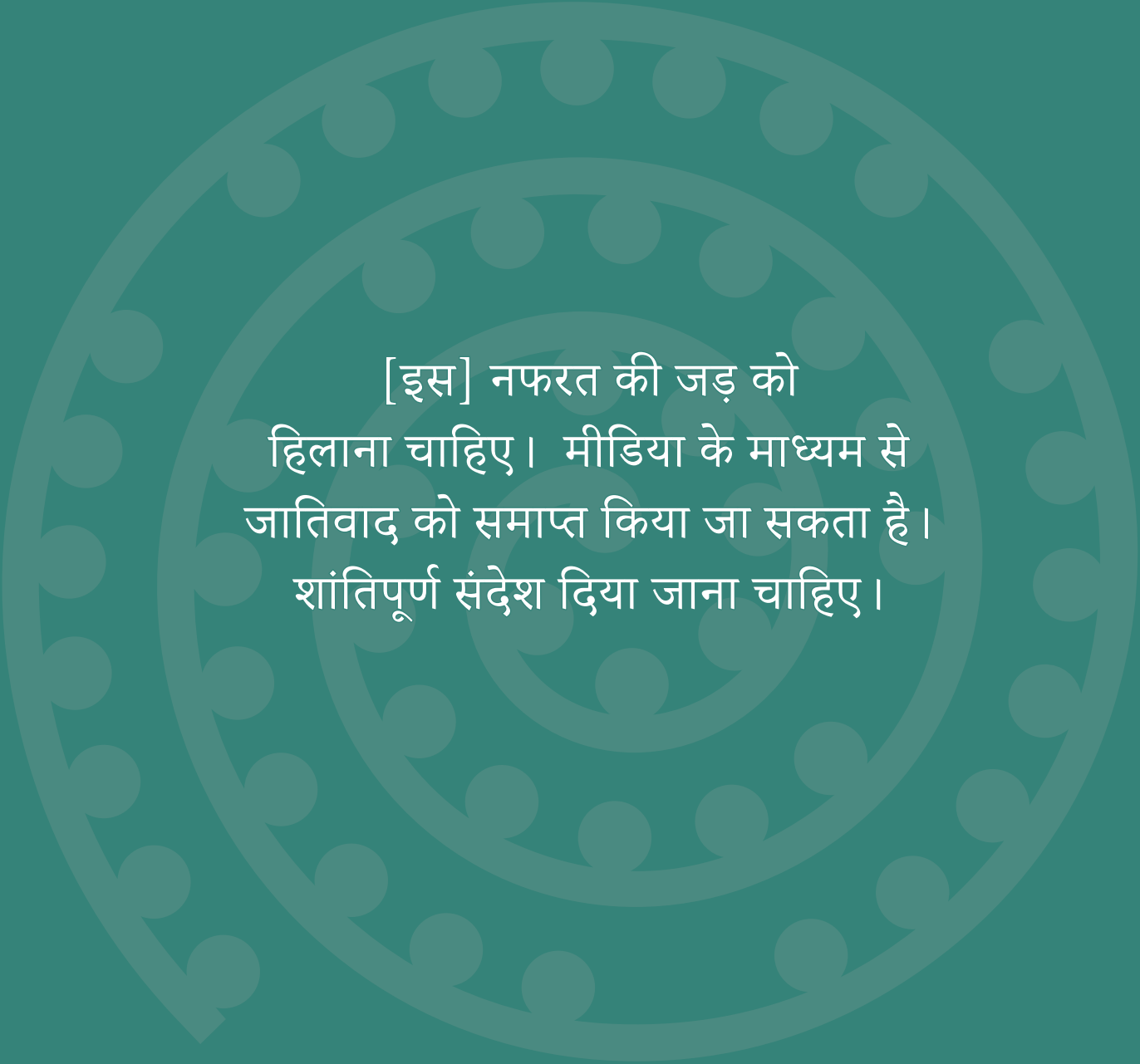
- 5 कुछ लोगों ने मस्जिद एन-नूर और लिनवुड इस्लामिक सेंटर और अन्य मुस्लिम सभा स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता बताई। प्रस्तावित सुरक्षा समाधानों में न्यूजीलैंड पुलिस की उपस्थिति को बनाए रखना, सुनिश्चित करना कि मस्जिद के प्रवेश द्वार को उजागर नहीं किया गया है, सुरक्षा कैमरे और अन्य सुरक्षा उपाय स्थापित किए गए हैं। इसके लिए सरकार को फिर से तैयार होने की जरूरत है। हमें यह भी सुझाव दिया गया था कि न केवल मस्जिद, बल्कि सभी धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा में सुधार किया जाए।

## मानव अधिकारों, विविधता को अपनाना और हानिकारक अतिवाद के प्रभावों को कम करना

- 6 लगभग हम सभी को विश्वास है कि नस्लवाद और पूर्वाग्रह से निपटने से न्यूजीलैंड सुरक्षित हो जाएगा और भविष्य में आतंकवादी हमले को रोकने में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि नस्लवाद को खत्म करने की कुंजी पूरे न्यूजीलैंड के समाज में जागरूकता बढ़ाने में है।

[इस] नफरत की जड़ को हिलाना चाहिए। मीडिया के माध्यम से जातिवाद को समाप्त किया जा सकता है। शांतिपूर्ण संदेश दिया जाना चाहिए।

- 7 कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि न्यूजीलैंड में घृणा अपराधों और अभद्र भाषा के लिए सख्त सजा होनी चाहिए। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि मानवाधिकार अधिनियम 1993 में अभद्र भाषा की परिभाषा को धार्मिक आधार पर लोगों के खिलाफ शत्रुता को शामिल करने के लिए व्यापक किया जाना चाहिए।
- 8 लोगों ने हमारे साथ विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बारे में लोगों को कैसे पढ़ाया जाए, और न्यूजीलैंड के समाज में विविधता के महत्व के बारे में विचारों की एक श्रृंखला साझा की। इन विचारों में शामिल थे:
- नस्लवादी घटनाओं की रिपोर्ट करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान करना;
  - नस्लवाद विरोधी अभियान;
  - विविध संस्कृतियों और धर्मों के बारे में जन जागरूकता अभियान;
  - विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों पर शिक्षा को शामिल करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण और स्कूल पाठ्यक्रम को व्यापक बनाना;
  - सामुदायिक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए न्यूजीलैंड भर में मस्जिद को आमंत्रित करना;
  - स्थानीय अधिकारी ईद जैसे कुछ मुस्लिम आयोजनों को मनाने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों को प्रायोजित और आयोजित करते हैं, जैसे कि अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे कि मातारिकी, चीनी नव वर्ष और दिवाली मनाने के लिए करते हैं; तथा
  - मुस्लिम समुदाय के नेताओं को इस्लाम पर एक सार्वजनिक प्रवचन का नेतृत्व करने और अधिक अंतर-संवाद में संलग्न होने के लिए आमंत्रित करना।



[इस] नफरत की जड़ को  
हिलाना चाहिए। मीडिया के माध्यम से  
जातिवाद को समाप्त किया जा सकता है।  
शांतिपूर्ण संदेश दिया जाना चाहिए।

## न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में सुधार

- 9 कुछ लोग जिनसे हम न्यूजीलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव पर मिले थे। उन्हें लगा कि सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सक्रिय होना चाहिए। विशेष रूप से, उन्होंने सुझाव दिया कि सुरक्षा एजेंसियों को सोशल मीडिया पर कमजोर समुदायों के लिए मुस्लिम विरोधी, अत्यधिक दक्षिणपंथी और अन्य खतरों की निगरानी बढ़ानी चाहिए, और उन्हें ऑनलाइन खतरों को अधिक गंभीरता से लेना चाहिए।

इस्लामिक आस्था के आध्यात्मिक उद्देश्यों और दर्शन के बारे में गलतफहमी और भय लंबे समय से शांति और सांस्कृतिक विविध समाजों में भी मौजूद है, जहां इस्लाम एक अल्पसंख्यक धर्म है। इस तरह की गलतफहमी, गोरे वर्चस्ववादी चरमपंथियों के हाथों, हमलों का वैचारिक आधार बनी। इसलिए यह इस तरह की गलतफहमी के लिए असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है कि सिस्टम-केंद्रित दृष्टिकोण के अधिक सामान्य मुद्दों को तेज करने की अनुमति नहीं है।

- 10 कुछ लोगों ने व्यापक न्यूजीलैंड इंटेलिजेंस कम्युनिटी में कर्मचारियों के लिए अधिक प्रशिक्षण की सिफारिश की ताकि वे जल्द से जल्द बढ़ते खतरों को पहचान सकें।
- 11 हमें बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को सांस्कृतिक विशेषज्ञता सहित उपयुक्त विशेषज्ञता की भर्ती और विकास करना चाहिए, ताकि वे समझ सकें:

- चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और रिकवरी की जरूरत है या, लोगों और समुदायों को आघात पहुंचाया;
- संकटग्रस्त लोगों और समुदायों के साथ काम करने वाले लोगों का सामना करने की संभावना है और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि व्याख्या और अनुवाद सहायता उपलब्ध हो;
- जिन लोगों ने आतंकवाद का अनुभव किया है, वे जानकारी प्राप्त करने और संसाधित करने की संभावना रखते हैं;

सहायक एजेंसियों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि पीड़ितों को जानकारी को संसाधित करना मुश्किल हो सकता है जब वे भावनात्मक रूप से व्यथित महसूस कर रहे हों। आघात कई तरीकों से सूचना प्रसंस्करण को प्रभावित कर सकता है।

- भरोसेमंद समुदायों के साथ विश्वास-आधारित, सहयोगी संबंध कैसे बनाएं; तथा  
यह सक्रिय रूप से सुनने, समर्थन करने और उचित रूप से संलग्न करने के लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण है - जिनमें से तीन अविभाज्य हैं - प्रभावित समुदायों के साथ, बदले में, उन्हें उपयुक्त सेवाएं और सहायता प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए।
- सामुदायिक स्वास्थ्य गतिविधियों को शामिल करने के लिए मनोवैज्ञानिक रिकवरी का समर्थन करना आवश्यक है।

एक टोकन या निष्क्रिय उपस्थिति प्रदान करने के बजाय, पुलिस को समुदाय के साथ देखभाल और सतर्कता के वास्तविक संबंध बनाने और समुदाय की जरूरतों और सुरक्षा के प्रति चौकस रहने के लिए सक्रिय होने के लिए कहा जाता है।

- 12 हमें पुनर्प्राप्ति के लिए मानव-केंद्रित (विशेष रूप से, एक उत्तरजीवी की भलाई पर केंद्रित) दृष्टिकोण लेने के महत्व के बारे में बताया गया था। इसका एक महत्वपूर्ण तत्व यह है कि उत्तरजीवियों को सुनाई जाने वाली अवसरों और स्थान

के साथ प्रदान किया जाता है, और यह कि वे दीर्घकालिक समाधानों के विकास में शामिल हैं।

पीड़ितों की आवाज बुलंद करना सर्वोपरि है। पीड़ितों के पास भावनाओं के साथ-साथ प्रमुख मुद्दों के समाधान के लिए विचार भी हैं, लेकिन इन विचारों को सुनने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

- 13 मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, हमें बताया गया था, समस्या को हल करने और समाधान खोजने पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा और स्वाभाविक रूप से भविष्य केंद्रित होगा। करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को प्रभावित करने वाले वैकल्पिक, सिस्टम-केंद्रित दृष्टिकोण ने इसके बजाय उन जोखिमों या समस्याओं पर प्रतिक्रिया करने पर ध्यान केंद्रित किया है जिसे सिस्टम का समर्थन करना चाहिए।
- 14 यह भी सिफारिश की गई थी कि, उनकी तत्परता योजना के हिस्से के रूप में, सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियां समुदायों की दीर्घकालिक वसूली आवश्यकताओं के लिए योजना बनाती हैं, और यह कि ये योजनाएं लचीली और अनुकूलनीय हैं। उदाहरण के लिए, जिस तरह से एक उत्तरजीवी को परिभाषित किया गया है, उस घटना की प्रकृति के आधार पर अलग-अलग होने की आवश्यकता हो सकती है, जहां से समुदाय ठीक हो रहे हैं। इसी तरह, विभिन्न समुदाय अक्सर अलग-अलग तरीकों से करीबियों को वर्गीकृत करते हैं और इसे ध्यान में रखा जाना चाहिए।



## अध्याय 6: प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों द्वारा उठाए गए अन्य मामले

- 1 हमने प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ मीटिंग कीं, विशेष रूप से कि उन्होंने मीटिंग का नेतृत्व किया और चर्चा की कि वे हमारे साथ क्या चाहते हैं, इसका मतलब है कि हमें कई लोगों के विचारों और मतों के साथ प्रदान किया गया जो हमारे संदर्भ से बाहर हैं।
- 2 जैसा कि इस दस्तावेज़ में पहले उल्लेख किया गया है, हमारी शर्तों के संदर्भ में हमें न्यूजीलैंड की जनता को आश्वासन देने की आवश्यकता है। इसलिए हम सोचते हैं कि उन मुद्दों की चौड़ाई को रिकॉर्ड करना महत्वपूर्ण है जो प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से महत्वपूर्ण थे जिनसे हम मिले थे।

### आतंकवादी हमले पर न्यूजीलैंड पुलिस की प्रतिक्रिया

- 3 हमने कई लोगों से आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया के बारे में सुना, जिसमें यह भी बताया गया था कि आतंकवादी हमले से निपटने के लिए उत्तरदाता कितनी अच्छी तरह सुसज्जित थे। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ हमारी सभी बैठकों में यह सबसे अधिक बार उठाया गया एकल मुद्दा था।
- 4 हम जिन लोगों से नाराज़, दुः ख, निराशा और चिंता के साथ मिले थे, उन्होंने न्यूजीलैंड पुलिस को मस्जिद एन-नूर के अंदर पहुंचने और घटनास्थल पर न्यूजीलैंड पुलिस कॉर्डन के माध्यम से आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की अनुमति देने में कितना समय लिया। लगभग हर किसी ने हमें विश्वास दिलाया कि अगर घायलों का जल्द इलाज हो जाता तो और जान बच जाती।

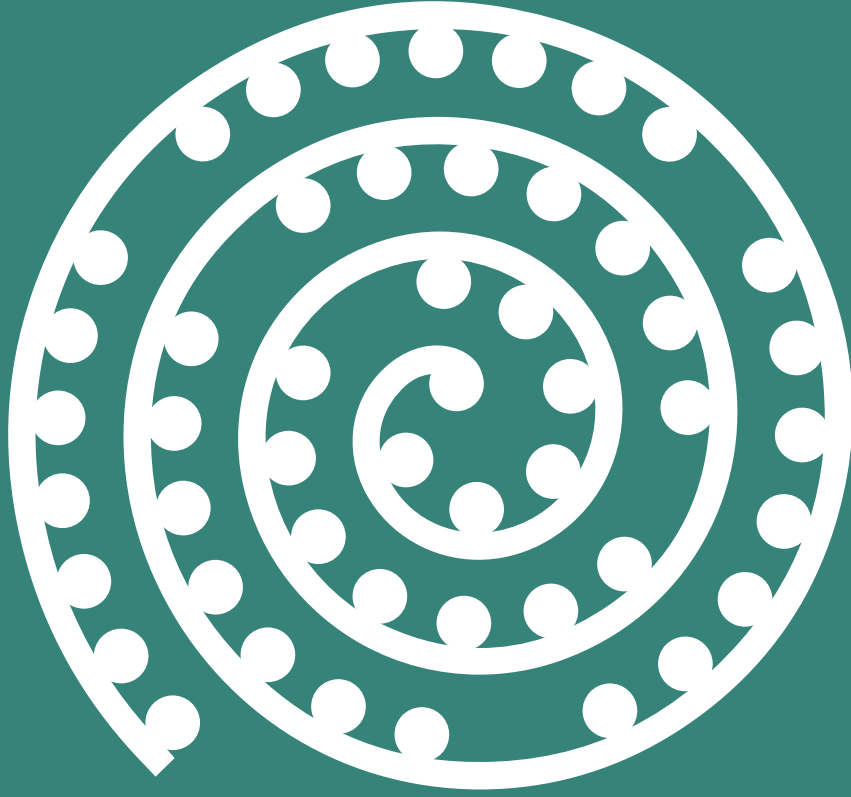
ऐसी भावना है कि भ्रम से बचने के लिए स्पष्ट और सटीक निर्देश देने के लिए सामुदायिक सदस्यों के सक्रिय प्रयास के बावजूद, पुलिस ने पर्याप्त और उचित रूप से जवाब देने के लिए एक आक्रामक अक्षमता का प्रदर्शन किया।
- 5 इस बारे में हमने जिन लोगों को सुना, उनमें से कई लोग इस बात से भी निराश थे कि न्यूजीलैंड पुलिस ने मुस्लिम समुदाय के अन्य मस्जिदों और स्थानों की सुरक्षा के लिए जल्दी कार्रवाई नहीं की। उनका मानना है कि लिनवुड इस्लामिक सेंटर में जान बचाई जा सकती थी अगर न्यूजीलैंड पुलिस उस स्थान पर जल्दी से तैनात हो जाती। हमें बताया गया था कि कुछ प्रभावित करीबी, उत्तरजीवी और गवाह अपने अनुभवों की तुलना उन स्थितियों या बंदूक हिंसा के अनुभवों से कर रहे थे जो वे न्यूजीलैंड से आए थे, जहां एजेंसियों को स्थिति की तात्कालिकता के लिए...काफी अधिक संवेदनशील और चौकस बताया गया है।
- 6 हमें बताया गया कि हमारे 8 नवंबर 2020 को प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ हुई को न्यूजीलैंड पुलिस और अस्पतालों की आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया के बारे में उनके पास अभी भी सवाल बकाया हैं।
- 7 कई प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने सलाह दी कि पूर्व पुलिस आयुक्त, माइक बुश ने आतंकवादी हमले के लिए न्यूजीलैंड पुलिस की प्रतिक्रिया की स्वतंत्र समीक्षा की घोषणा की थी। कई प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को निराशा हुई कि समीक्षा के परिणामों को सार्वजनिक नहीं किया गया था और यह अब तक हो जाना चाहिए था। प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों ने महसूस किया कि न्यूजीलैंड पुलिस में उनका विश्वास और विश्वास परिणामस्वरूप कम हो गया था। कुछ प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों को संदेह था कि समीक्षा ने कई दोषों की पहचान की है, जिनके बारे में न्यूजीलैंड पुलिस पारदर्शी नहीं होना चाहती थी।

### आपराधिक न्याय प्रणाली के साथ व्यक्ति की बातचीत

- 8 हमने जिन कुछ लोगों को सुना, वे चिंतित थे कि न्यूजीलैंड में जेल की स्थिति व्यक्ति के लिए पर्याप्त कठोर नहीं थी। कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि मौत की सजा आतंकवादी हमले के लिए दोषी किसी को भी उचित सजा होगी।
- 9 कुछ लोगों ने चिंताओं और हताशा को साझा किया कि व्यक्ति जेल में रहते हुए समान विचारधारा वाले लोगों को पलाचार करने में सक्षम था। उन्होंने सवाल किया कि यह कैसे होने दिया जा सकता है और कैसे सुधार विभाग से जवाबदेही मांगी जा सकती है। हमने चरमपंथियों को रोकने की जरूरत के बारे में सुना जो अपने हानिकारक विचारों को फैलाने से जेल में हैं।

## परिशिष्ट: इस दस्तावेज़ को तैयार करने की प्रक्रिया

- 1 हमने मीटिंग, प्रस्तुतियां और अन्य वार्तालाप के माध्यम से प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ संलग्नता की प्रक्रिया के दौरान पर्याप्त मात्रा में सामग्री प्राप्त की। हमने जो भी सुना उसका रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों के साथ मीटिंग निजी तौर पर आयोजित की गई, लेकिन रॉयल कमीशन ने नोट किया, जिनसे हम मिले थे।
- 2 हमने अपने नोट और अन्य सामग्री की सीमा की तुलना की, जिनसे हम प्रभावित थे, जो सामान्य विषयों और मुद्दों की पहचान करने के लिए प्रभावित करीबियों, उत्तरजीवियों और गवाहों से प्राप्त हुए थे। उनके साथ हमारी बातचीत की निजी प्रकृति का सम्मान करते हुए विशिष्ट लोगों के सटीक अनुभवों को उद्धृत करने के बजाय, इसने हमें उनकी कहानियों, अनुभवों और साक्ष्यों को सामान्य शब्दों में यहां दस्तावेज़ करने में सक्षम किया। जहां उद्धरण शामिल हैं, हमने उनके उपयोग की अनुमति मांगी और प्राप्त की।
- 3 यह दस्तावेज़ आतंकवादी हमले से सबसे अधिक प्रभावित लोगों की कहानियों, अनुभवों और सबूतों पर कोई निष्कर्ष नहीं निकालता है या उन पर टिप्पणी नहीं करता है। न ही यह दूसरे पर एक विचार पसंद करता है। बल्कि, इस दस्तावेज़ का इरादा 51 शूहादा, उत्तरजीवी और आतंकवादी हमले के गवाहों और उनके करीबियों की आवाज़ों को समर्पित स्थान देना है। ये आवाज़ें सुनने लायक हैं।



हमारा प्रतीक एक स्थायी और  
लगातार औटीएरोआ न्यूजीलैंड आइकन, कोरू से प्रेरित है।

प्रसारित फर्न फ्रॉड शांति, धीरज, विकास, सकारात्मक परिवर्तन और जागृति  
का प्रतिनिधि है। इस्लाम के जीवित विश्वास के अर्थ में शांति का यह आयाम  
भी निहित है। हम इस ताओंगा और न्यूजीलैंड वासियों की यात्रा के बीच  
की समानताएं बनाते हैं ताकि वे एक सुरक्षित और अधिक समावेशी समाज  
बन सकें।

प्रसारित फ्रॉड के  
सात समूहों के साथ कोरू डिजाइन भी स्वीकार करता है कि  
15 मार्च 2019, इस्लामिक  
चंद्र कैलेंडर के अनुसार, 7 रजब 1440, यानी  
7 वें इस्लामी महीने का 7 वां दिन था।

